डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

नन्हा पाठक कार्टून देखते हुए...

सिनेमाःघूम हैं किसी के प्यार में शो को...

वर्ष -09 अंक -61 | प्रयागराज, शनिवार 06 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कुकी और मेइती समुदाय के छात्रों में मारपीट के बाद 16 छात्र गिरफ्तार

शिलांग। मेघालय की राजधानी शिलांग में मणिपुर के कुकी और मेइती समुदाय के छात्रों के बीच हुए झगड़े के बाद कम से कम 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सभी छात्र शिलांग के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ते हैं। पूर्वी खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सिलवेस्टर नोंगटंगर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बृहस्पतिवार रात मणिपुर के कुकी और मेइती समुदाय के छात्रों के बीच शिलांग के नोंग्रिम हिल्स इलाके में झड़प हुई। उन्होंने बताया कि मारपीट में दो लोगों को मामूली चोट आई हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस ने झगड़ा शांत करवाया और 16 लोगों को हिरासत में ले लिया, तथा लोगों को शिलांग की शांति भंग न करने की चेतावनी दी।

कर्नाटक चुनाव के बाद भाजपा के 'डबल इंजन' में से एक कबाड़ में चला जाएगाः मोइली

मंगलुरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी के 'डबल इंजन' में से एक को कबाड़ में भेज दिया जाएगा। मोइली ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से कहा, ''विधानसभा चुनाव के बाद एक इंजन कबाड़ में भेज दिया जाएगा और दूसरा भी 2024 में कबाड़ में चला जाएगा।'

ईडी, सीबीआई वोट हासिल करने में भाजपा की मदद नहीं करेंगी : ममता

शमशेरगंज। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी जांच एजेंसियां अगले साल के लोकसभा चुनावों में वोट हासिल करने में उसकी मदद नहीं करेंगी। मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता ने सभी विपक्षी दलों से एकजुट होने और 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा का मिलकर मुकाबला करने का आग्रह किया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार से कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद राज्य प्रशासन को गंगा का कटाव रोकने के लिए कोई मदद नहीं मिली है।

कर्नाटक में जीत हासिल करने के लिए बीजेपी और कांग्रेस कैसे चला रहे हैं अपना अभियान, आखिरी चरण में क्या-क्या किए वादे

नई दिल्ली। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए सभी पार्टियों का प्रचार अपने आखिरी चरण में पहुंच चुका हैं। फाइनल में कर्नाटक में चुनाव प्रचार का व्यस्त दौर चल रहा है, दो प्रमुख कारकों को परीक्षण के लिए रखा जाएगा। सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व में शीर्ष राष्ट्रीय नेताओं की रैलियों का तांता लगा हुआ है। दूसरे में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने चुनावी घोषणापत्रों में ढेर सारे मुफ्त उपहार और अन्य वादे शामिल किए हैं।

29 अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताहांत की जगह में, पीएम ने राज्य भर में छह रैलियां कीं और बेंगलुरु और मैसूरु में दो रोड शो किए। इस प्रचार से भाजपा उम्मीद कर रही है कि वह अपने अभियान को आगे बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी बढ़ावा देगी। मई दिवस के लिए एक ब्रेक के बाद पीएम राज्य में वापस आ गये थे और विभिन्न स्थानों पर एक के बाद एक और रैलियां की जा रही थीं। प्रत्येक बैठक में, पीएम, हिंदी में बोलते हुए, 'डबल-इंजन सरकार' के विषय पर ध्यान केंद्रित करते हैं और कर्नाटक को 'भारत में नंबर 1 राज्य' बनाने कीबात करते हैं। विकास के अलावा, पीएम के भाषणों में अन्य महत्वपूर्ण विषय कांग्रेस द्वारा उन

पर फेंका गया अपमान है- एक कारक जो पहले बीजेपी के लिए फायदेमंद साबित हुआ है, खासकर गुजरात में। कर्नाटक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का हालिया भाषण था, जिसमें उन्होंने पीएम की तुलना एक 'जहरीले सांप' से की थी, इस बयान को लेकर पीएम ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने 29 अप्रैल को हुमनाबाद में कहा, 'उन्होंने मुझे 91 बार गालियां दी हैं।' खड़गे ने अपनी टिप्पणी के तुरंत बाद माफी मांगी थी, यह स्पष्ट करते हुए कि उन्होंने पीएम पर व्यक्तिगत हमला करने के बजाय भाजपा की विचारधारा के बारे में टिप्पणी की थी।

यदि भाजपा मोदी सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड को उजागर करने में अपनी ताकत लगा रही है, तो कांग्रेस, जो कर्नाटक में एक उत्साही अभियान चला रही है, स्थानीय मुद्दों पर आमादा बसवराज बोम्मई सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के अलावा मूल्य चावल और बेरोजगारी। राहुल और प्रियंका गांधी दोनों दोतरफा दृष्टिकोण का नेतृत्व कर रहे हैं, कई रैलियों और रोड शो के साथ राज्य को पार कर रहे हैं। यह प्रियंका ही थीं जिन्होंने यह कहकर पीएम के अपमान का मुकाबला करने की मांग की कि उनका परिवार वर्षों से भाजपा द्वारा उन पर की गई गालियों पर 'पूरी किताबें प्रकाशित कर सकता है'। उन्होंने उत्तरी शहर जामखंडी में कहा, 'मेरे उस भाई से सीखो जो कहता है कि गाली छोड़ो, वह देश के लिए गोली का सामना करने को तैयार है।' घोषणापत्रों में प्रमुख वादे बी जे पी कर्नाटक में समान नागरिक संहिता अवैध प्रवासियों के निर्वासन के लिए नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर। बीपीएल परिवारों के लिए सालाना तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, रोजाना 500 मिली। दूध और हर महीने 5 किलो बाजरा। हर नगरपालिका वार्ड में अटल आहार केंद्र कैंटीन। बेघरों के लिए दस लाख आवास स्थल, शहरी गरीबों के लिए 500,000 घरों का निर्माण। विधवाओं के लिए पेंशन में 2,000 रुपये और बीपीएल परिवारों के लिए वार्षिक। स्वास्थ्य बीमा कवर में 10 लाख रुपये की वृद्धि।

कांग्रेस हर घर को 200 यूनिट बिजली मुफ्त। आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 75इ करें, मुसलमानों के लिए 4इ कोटा बहाल करें। 'सहानुभूतिपूर्वक' पुरानी पेंशन योजना के विस्तार पर विचार करें। बजरंग दल जैसे नफरत फैलाने वाले संगठनों पर प्रतिबंध लगाओ। बीपीएल परिवार में प्रत्येक व्यक्ति को 10 किलो खाद्यान्न; पांच साल में सभी बेघर परिवारों के पास घर होगा। सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा; परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपये प्रति माह।

दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या आरोपी पुलिस गोलीबारी में घायल

नई दिलली (एजेंसी)। असम के तिनसुकिया जिले में 12 वर्षीय लड़की के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि आरोपी अरुणाचल प्रदेश भाग गया था और बाद में पुलिस की गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने कहा कि आरोपी पड़ोसी राज्य में गिरफ्तार किए जाने के बाद हिरासत से भागने की कोशिश कर रहा था, जिसके बाद वह पुलिस गोलीबारी में

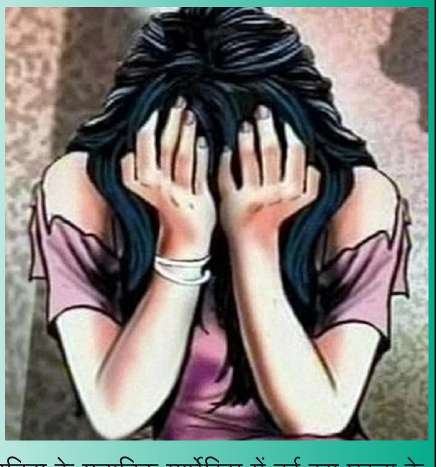

घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक मार्घेरिटा में हुई इस घटना के कारण लोगों में आक्रोश है। कस्बे में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। तिनसुकिया के पुलिस अधीक्षक गौरव अभिजीत दिलीप ने कहा कि यह घटना मंगलवार को हुई और पीड़िता का शव बुधवार को एक 'सेप्टिक टैंक' से बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा, ''पीड़िता और आरोपी के परिवार वाले आपस में परिचित हैं। लड़की की मां और दुष्कर्मी की पत्नी घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती हैं। मंगलवार को दोनों महिलाएं एक साथ काम पर गईं और लड़की को आरोपी के घर पर छोड़ दिया। '' पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जब दोनों महिलाएं काम से लौटीं, तो लड़की वहां नहीं थी और आरोपी ने दावा किया कि वह घर चली गई थी। पुलिस अधीक्षक ने कहा, ''जब उसकी मां ने उसे घर पर नहीं पाया तो उसने प्राथमिकी दर्ज की और पुलिस ने जांच शुरू की। तब तक आरोपी भाग चुका था। हमने उसकी पत्नी से पूछताछ की और उसने अपने पति के अपराध को स्वीकार किया।'' पुलिस अधिकारी ने बताया कि पत्नी की सूचना के अनुसार पुलिस ने आरोपी के घर से पीड़िता का शव बरामद किया।

अत्याचार कर रही है दिल्ली पुलिस, केन्द्रीय गृह मंत्री संज्ञान लेंः गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नई दिल?ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों और पुलिस के बीच हुई कथित हाथापाई की

घटना की निंदा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि दिल?ली पुलिस आंदोलनरत महिला पहलवानों पर अत्याचार कर रही है और केंद्रीय गृह मंत्री को इसका संज्ञान लेना चाहिए। गहलोत ने ट्वीट किया, जब राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में मिली महिलाओं के उत्पीड़न की बात बताई तो दिल्ली पुलिस उनसे महिलाओं की जानकारी मांगने पहुंच गई थी। अब जंतर मंतर पर कई दिनों से देश को गौरवान्वित करने वाली चैंपियन बेटियां अपने उत्पीड़न की शिकायत कर न्याय मांग रही हैं तो दिल्ली पुलिस उनकी शिकायत पर कार्रवाई करने की बजाय अत्याचार कर रही है।

गहलोत ने कहा, 'मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। केन्द्रीय गृह मंत्री को इस पर संज्ञान लेना चाहिए।' ओलंपिक पदक विजेता और चूरू जिले के सादुलपुर से विधायक कृष्णा पूनिया ने बृहस्पतिवार को खिलाड़ियों की न्याय की लड़ाई में उनका समर्थन किया। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष पूनिया ने आज खिलाड़ियों के साथ राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से गांधी सर्किल तक पैदल मार्च कर तथा गांधी सर्किल पर धरना देकर अपना विरोध दर्ज कराया।

पूनिया ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा ''न्याय की इस लड़ाई में मैं अपनी खिलाड़ी बहनों के साथ खड़ी हूं।'' यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दिल?ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों और कुछ पुलिसकर्मियों के बीच कथित तौर पर 'हाथापाई'हुई, जिसके कारण कुछ प्रदर्शनकारियों के सिर पर चोटें आई हैं।

दिल्ली मेट्रो की वॉयलेट लाइन पर सुबह के समय सेवाएं प्रभावित रहीं

नयी दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की वॉयलेट लाइन पर शुक्रवार सुबह कुछ घंटे सेवाएं प्रभावित रहीं, जिससे यात्रियों को परेशानी हुई। वॉयलेट लाइन दिल्ली में कश्मीरी गेट को हरियाणा में बल्लभगढ़ से जोड़ती है। डीएमआरसी ने सुबह करीब साढ़े नौ बजे ट्वीट किया, 'वॉयलेट लाइन जानकारी : कश्मीरी गेट और राजा नाहर सिंह (बल्लभगढ़) की ओर जाने वाली मेट्रो की सेवाओं में देरी हो रही है। अन्य सभी लाइनों पर सेवाएं सामान्य हैं।' बाद में पूर्वाह्न करीब 11:45 बजे किये गये ट्वीट में डीएमआरसी ने वॉयलेट लाइन पर सेवाएं बहाल होने की जानकारी दी। कई यात्रियों ने सेवाओं में देरी के कारण हुई असुविधा को लेकर ट्वीट भी किए।

प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड के आईएएस अधिकारी छवि रंजन को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी छवि रंजन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित अवैध भूमि सौदों में संलिप्तता के सिलसिले में दिन भर की पूछताछ के बाद बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि झारखंड काडर के 2011 बैच के अधिकारी को ईडी की हिरासत में ले लिया गया है। फिलहाल राज्य के समाज कल्याण विभाग में निदेशक रंजन अपराह्न करीब पौने 11 बजे जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे थे और 10 घंटे की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

रंजन के वकील अभिषेक कृष्ण गुप्ता ने उनसे मुलाकात करने के बाद पत्रकारों से कहा, ' मुझे उनकी गिरफ्तारी की कोई जानकारी नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, रंजन की पत्नी भी यहां ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचीं, जबकि सदर अस्पताल से मेडिकल टीम उनकी जांच के लिए पहुंची है।

इस बीच, सूत्रों ने कहा कि उन्हें शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा और ईडी उनकी हिरासत का अनुरोध करेगी। सूत्रों ने कहा कि मामले के जांच अधिकारी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत आईएएस अधिकारी का बयान दर्ज किया है।

ईडी ने कथित अवैध भूमि सौदों में धन शोधन जांच के सिलसिले में रंजन से 24 अप्रैल को भी लगभग 10 घंटे तक पूछताछ की थी। एजेंसी ने रंजन से 13 अप्रैल को भी संक्षिप्त पूछताछ की थी, जब इस मामले में उनके और झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में कुछ अन्य लोगों के परिसरों में तलाशी ली गई थी। ईडी ने इससे पहले इन छापेमारी के बाद झारखंड सरकार के एक अधिकारी समेत कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया था।

केंद्रीय एजेंसी सेना की भूमि सहित एक दर्जन से अधिक भूमि सौदों की जांच कर रही है जिसमें भू माफिया, बिचौलियों और नौकरशाहों ने कथित रुप से साठगांठ कर जाली रजिस्ट्री कराई हैं। यह दूसरा मामला है जिसमें झारखंड काडर का कोई आईएएस अधिकारी ईडी की जांच के दायरे में आया है। एजेंसी ने पिछले साल आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था।

शताब्दी एक्सप्रेस में टीटीई के बर्ताव से नाराज हुईं उमा भारती, रेल मंत्री से की शिकायत, महिला टीटीई निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता उमा भारती ने हाल ही में झांसी से भोपाल जाने वाली शताब्दी एक्सप्रेस में ट्रेन टिकट परीक्षकों (टीटीई) के व्यवहार पर आपत्ति जताई है। उन्होंने इसकी शिकायत रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तक पहुंचा दी। इसको लेकर उमा भारती ने कई ट्वीट किए। अपने ट्वीट में भाजपा नेता ने लिखा कि जब से नई दिल्ली-भोपाल शताब्दी ट्रेन शुरू हुई है तब से मैं इस ट्रेन में यात्रा करती हूं। मैं पहले खजुराहो से सांसद थी तब झांसी से बैठती थी फिर भोपाल से सांसद हो गई शताब्दी में खूब बैठी। ऐसा पहली बार हुआ है कि मुझे आज शताब्दी ट्रेन में झांसी से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की यात्रा के दौरान शिकायत करनी पड़ी।

इसे भी पढ़ेंः र्ष्ट्र्ट्रट विवाद के बीच डीके शिवकुमार ने हनुमान मंदिर का किया वादा, अनुराग ठाकुर ने ऐसे किया वार पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे लिखा कि मैं आज झांसी से बैठी तो मेरा डिब्बा पूरा खाली था। मैं थी और मेरे सुरक्षाकर्मी। मेरी देखरेख के लिए आना-जाना कर

रहे थे कि अचानक बीना स्टेशन के बाद 4-5 टी.टी. लोगों का झुंड आया और उसी डिब्बे में पीछे आकर बैठा और उनका बर्ताव, यूनिफॉर्म, कार्य स्थली और जिम्मेवारी के अनुरूप नहीं था। मेरी सिक्योरिटी वालों की शिकायत पर ट्रेन सुपरिटेंडेंट ने स्थितियों को नियंत्रित किया। मेरे सुरक्षाकर्मियों ने इस संबंध में रेलवे से शिकायत की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी भोपाल-झांसी-नई दिल्ली की शताब्दी ट्रेन की छवि बहुत अच्छी है आज का कृत्य देखकर मुझे उस छवि की चिंता है। उमा भारती के ट्वीट के बाद रेल मंत्रालय ने तुरंत भोपाल डीआरएम को इस मामले को देखने को कहा।

भोपाल डीआरएम ने कहा कि हुई असुविधा के लिए खेद है। मामला संबंधित को भेज दिया गया है। झांसी मंडल को मामला देखने को कहा गया। इसके बाद संबंधित कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया गया। कार्यवाई के बाद उमा भारती ने आज एक और ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि कल की शताब्दी में हुई घटना पर जिसमें रेलवे ने तुरंत कार्रवाई की उसके लिए झांसी रेल मंडल एवं भारतीय रेलवे का अभिनंदन। यह आगे के लिए भी एक आदर्श उदाहरण बनेगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यवाही से भारतीय रेलवे की उज्जवल छवि बरकरार रहेगी।

बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी की कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत? स्थानीय लोगों का दावा

नई दिल्ली। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि गुरुवार रात पश्चिम बंगाल के पुरबा मेदिनीपुर जिले के चांदीपुर में कथित तौर पर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय लोगों और एक चश्मदीद के मुताबिक, शेख इसराफिल के रूप में पहचाने जाने वाला शख्स सड़क के किनारे था, जब कार ने उसे टक्कर मार दी। पुलिस ने अभी तक पुष्टि नहीं की है कि क्या उक्त वाहन नंदीग्राम विधायक के काफिले का हिस्सा था। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि विपक्ष के नेता (एलओपी) मोइना में पार्टी के एक कार्यक्रम से लौट रहे थे। एक प्रत्यक्षदर्शी का आरोप है कि हादसे के बाद भी कार नहीं रुकी। दुर्घटना के कारण स्थानीय लोगों ने एक घंटे से अधिक समय तक सड़क जाम किया, जिन्होंने सड़क को अवरुद्ध कर दिया और शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और उसके लिए कड़ी सजा की मांग की। चश्मदीद होने का दावा करने वाले एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि दुर्घटना के समय वह एक स्थानीय दुकान पर चाय पी रहा था, जो दुर्घटनास्थल से कुछ मीटर की दूरी पर है। अली ने आगे आरोप लगाया कि दुर्घटना के बाद, कार कुछ मीटर पीछे चली गई और जब उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति को टक्कर मार दी गई है, तो कार चालक वाहन लेकर मौके से भाग गया। प्रदर्शनकारियों ने यह भी दावा किया कि चालक शराब के नशे में हो सकता है।

रंग लाई नीतीश की मेहनत, इस दिन पटना में होगी विपक्ष की बड़ी बैठक, ये नेता हो सकते हैं शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। 2024 चुनाव को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता की कवायद में जुटे हुए है। अब उनकी मेहनत रंग लाती भी दिखाई दे रही है। खबर के मुताबिक कर्नाटक चुनाव के बाद पटना में विपक्षी नेताओं की एक बड़ी बैठक हो सकती है। कुछ दिन पहले खुद नीतीश कुमार ने इसके संकेत दिए थे। अब इसकी पुष्टि होती दिखाई दे रही है। पटना में होने वाले बैठक में जहां विपक्षी एकता देखने को मिलेगी वहीं, 2024 चुनाव को लेकर भी एजेंडा तय किया जा सकता है। नजर इस बात पर भी रहेगी कि विपक्षी दलों की ओर से इस बैठक में कौन-कौन शामिल होता है। खबर के मुताबिक कर्नाटक यह बैठक 17 या 18 मई को हो सकती है।

नीतीश कुमार की ओर से विपक्षी दलों के नेताओं को इसके लिए आमंत्रित किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक विपक्षी दलों की इस बैठक में शरद पवार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के अद्यक्ष अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी

नेता अरविंद केजरीवाल शामिल होंगे। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी इसमें शामिल हो सकते हैं। लेफ्ट पार्टियों के नेता के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद की जा रही है। भाजपा के खिलाफ इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। इस बैठक के बाद भी एक-दो बार विपक्षी नेता एक साथ बैठेंगे और आगे की रणनीति पर बात करेंगे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 24 अप्रैल को कोलकाता में नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात के बाद अपने समकक्ष से पटना में सभी गैर भाजपा दलों की एक बैठक आयोजित करने का अनुरोध किया था ताकि आने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी एकता पर चर्चा की जा सके। ममता ने कहा था कि मैंने नीतीश कुमार से सिर्फ एक अनुरोध किया है। जयप्रकाश जी का आंदोलन बिहार से शुरू हुआ। अगर बिहार में सर्वदलीय बैठक होती है तो हम आगे की रणनीति तय कर सकते हैं। नीतीश ने अपने टीएमसी समकक्ष के इस आग्रह को स्वीकार करते हुए कहा कि हम भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ देश में अधिक से अधिक दलों को एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं।

मंत्री नंदी को मिली जान से मारने की धमकी, हज़रतगंज थाने में मुक़दमा दर्ज़

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपालनंदी के सरकारी मोबाइल पर अलग-अलग नंबरों से कॉल कर जान से मारने की धमकी दी गई है। इस मामले के बाद महकमें में हड़कंप सा मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

बताया जा राह है कि मंत्री ने सरकारी नंबर पर कॉल आया था। जिसमें उन्हें धमकी दी गई। फोन करने वाले ने कहा-'बहुत बड़े नेता बनते हो' देख लेंगे तुमको। वहीं पुलिस इस पुरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। कहा जा रहा है कि मंत्री के सरकारी नंबर पर कॉल आया था, जिसमें उन्हें धमकी दी गई। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। इस मामले में नंद गोपाल नंदी की तहरीर पर हजरतगंज कोतवाली में 4 मोबाइल नंबरों को लेकर केस दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि 19 अप्रैल को नंद गोपाल नंदी के सरकारी फोन नंबर पर कॉल आया

था, जिसमें उन्हे धमकी मिली। फोन करने वाले ने कहा-बहुत बड़े नेता बनते हो' देख लेंगे तुमको। इस मामले में 3 मई को एफआईआर दर्ज कराई गई है। वहीं पुलिस सर्विलांस और साइबर सेल की मदद से मामले की जांच शुरू हो गई। सामने आया कि 3 मोबाइल नंबर और एक बेसिक फोन का नंबर का इस्तेमाल हुआ था।

पुलिस इन नम्बरों की कॉल डिटेल के आधार पर आरोपी के बारे में जानकारी जुटा रही है।

गंगा नहाने गए दो नाबालिग बच्चे डूबे

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। शिवकुटी थाना क्षेत्र के तेलियरगंज इलाके के रहने वाले दो नाबालिग लड़के फाफामऊ घाट पर गंगा स्नान करते वक्त डूब गए। हादसा गुरुवार शाम हुआ। शुक्रवार को एनडीआरएफ और गोताखोरों की टीम दोनों की तलाश कर रही है। स्नान करने पांच लड़के गए थे। तीन सकुशल निकल आए।

दो का अब तक पता नहीं चल सका है। बर्तन वाली गली तेलियरगंज का रहने वाला 13 साल का प्रियांशु और 14 साल का कृष्णा अन्य दोस्तों के साथ गंगा स्नान के लिए फाफामऊ घाट गए थे। नहाने वक्त प्रियांशु और कृष्णा गहरे पानी में समा गए। दोनों डूबने लगे तो साथ रहे लड़कों ने शोर मचाया। उस वक्त नाविक पानी में कूदे लेकिन दोनों को निकाला नहीं जा सका। साथ नहाने गए प्रीत गोस्वामी, नैनिक केसरवानी ओर रोहित सकुशल निकल आए। शुक्रवार को परिजन फिर घाट पहुंचे। एनडीआरएफ दोनों नाबालिग लड़कों की तलाश में जुटी है।

पूजनीय दलाई लामा एवं माननीय इंद्रेश जी के सानिध्य में 25 वां रजत जयंती समारोह कार्यक्रम सम्पन्न

प्रतापगढ़। हिमाचल प्रदेश के मैकलोडगंज स्थित दलाई लामा मंदिर में भारत तिब्बत सहयोग मंच ने अपनी 25 वा स्थापना दिवस एवं रजत जयंती समारोह का आयोजन किया। इस मंच की स्थापना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चतुर्थ पूजनीय वरिष्ठ प्रचारक श्री राजेंद्र सिंह जी उर्फ रज्जू भैया एवं पंचम पूजनीय प्रचारक सुदर्शन जी तथा दलाई लामा जी के सानिध्य में की गई थी। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक माननीय इंद्रेश जी कर रहे हैं,

आज के स्थापना दिवस के कार्यक्रम में वर्तमान समय के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय इंद्रेश जी राष्ट्रीय महामंत्री माननीय पंकज गोयल जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गजेंद्र चौहान जी एवं राष्ट्रीय मंत्री प्रमोद गोयल जी एवं परम पूज्य दलाई लामा जी एवं मध्य प्रदेश से प्रांत अध्यक्ष मोनिका जैन जी एवं हिमाचल प्रदेश के वर्तमान सांसद किशन कपूर जी एवं अन्य प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित हुए, इसके साथ ही समस्त तिब्बती हिमाचल प्रदेश निवासी भी एक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित हुए, कार्यक्रम में बुद्धिस्ट मोंक भी उपस्थित हुए, कार्यक्रम के दूसरे चरण में मंच का संचालन कर रही प्रीति सागर जी ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया साथ ही वंदे मातरम गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई,

कार्यक्रम में भारत तिब्बत सहयोग मंच के समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने मिलकर दलाई लामा जी का एक विशाल फूलों की माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम के अगले दौर में माननीय इंद्रेश कुमार जी ने अपने व्याख्यान में बताया कि हमें हिंसा नहीं अहिंसा परमो मैत्री की स्थापना करना आवश्यक है तथा इस युद्ध के दौर में, मैं बौद्ध की शुरुआत करना चाहता हूं जिससे हम हिंसा नहीं अहिंसा परमो धर्म की स्थापना कर सकें क्योंकि आज के समय हमारे समाज को हमारे देश को रावण और कंस की आवश्यकता नहीं है राम और कृष्ण की आवश्यकता है युद्ध की कामना के बजाय में बौद्ध की कामना करना चाहता हूं जिससे विश्व भर में शांति का स्थापना हो सके साथ ही हम सब विश्व की समस्त शक्तियों से यहां आग्रह करते हैं कि वहां एक साथ होकर तिब्बती लोगों को उनके मौलिक अधिकार,ऑटोनॉमस एवं आजादी दिलाने में सहायता करें साथ ही मैं उस संस्था की भी सहयोग करूंगा जो दलाई लामा जी के साथ मिलकर वर्षों से उनके मौलिक अधिकार दिलाने में उनकी सहायता कर रही है आज इस समृद्ध सभा मै यहां प्रस्ताव प्रसारित करना चाहता हूं कि चीन अपना षड्यंत्र बंद कर तिब्बती जनता को उनके मौलिक अधिकार वापस करें जिससे तिब्बती जनता निष्कासित नहीं बल्कि निवासी बन कर तिब्बत का निर्माण करें। इसके साथ ही माननीय इंद्रेश जी ने आज समस्त तिब्बती एवं भारतीय जनता को नारा दिया जय भारत जय तिब्बत, व्याख्यान की दूसरी सत्र में परम पूज्य दलाई लामा जी ने बताया की, जब वहां तिब्बत से भारत आए थे तब जवाहरलाल नेहरू जी ने उन्हें यहां रहने के लिए स्वीकृति दी थी, पर में भारत का शुक्रगुजार हूं कि भारत ने मुझे पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की एवं अपने बौद्ध धर्म को मानने एवं उसके विचारों का विस्तार करने का पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की आज मैं समस्त तिब्बती लोगों एवं भारतीय लोगों से आग्रह करूंगा।

यूपी से सरकार चले जाने के बाद अखिलेश यादव ने सैफई महोत्सव क्यों नहीं मनाया

आधुनिक समाचार सेवा

बसपा सरकार के जाने के बाद मायावती के जन्मदिन पर उन्हें हीरे, ताज, नोटों से क्यों नहीं तोला गया

यूपी में योगी जी के सीएम बनने के बाद कोई अब अतीक अहमद, आजम खान, मुख्तार अंसारी जैसा बाहुबली क्यों नहीं है।

मोदी के आने के बाद पी चिदंबरम जी अपने बंगले के गमलों में करोड़ों की गोभी क्यों नहीं उगा रहे हैं।

अब सुप्रिया सुले अपनी दस एकड़ जमीन में 113 करोड़ के बैगन क्यों नहीं उगा पाती है।

हरियाणा में कांग्रेस की सरकार चले जाने के बाद रोबर्ट वाड्रा ने वहां कोई जमीन क्यों नहीं ली।

कांग्रेस सरकार जाने के बाद मुंबई में फिर कोई हाजी मस़्तान, करीम लाला, दाऊद इब्राहिम पैदा क्यों नहीं हुआ।

यस बैंक के मालिक आदित्य पुरी को ढाई करोड़ की पेंटिंग बेचने के बाद प्रियंका गांधी ने फिर कोई पेंटिंग क्यों नहीं बेची।

ए. के. एंटनी ने अपनी पत्नी के हाथ की पेंटिंग सरकार को 28 करोड़ में बेचने के बाद अपनी पत्नी से फिर से कोई पेंटिंग क्यों नहीं बनवायी।

यूपीए के दस वष?ीय(2004-14) शासनकाल में सोनिया अपनी 'अज्ञात' बीमारी के इलाज के लिये प्रत्येक छः माह के अन्तराल पर 'अज्ञात' देश को नियमित रुप से जाती थी। वह रहती दिल्ली में है पर उसकी उडान हमेशा केरल के एयरपोट? से होती थी और उसके लगेज में 4-5 बडे-बडे ट्रँक हमेशा हुआ करते थे। किसी प्रकार की सिकुरिटि-चेक का सवाल ही नहीं था क्योंकि वह उस समय भारत की 'सुपर पीएम' थी। 2014 में सत्ता परिवत्त?न के बाद आश्चय?जनक रुप से सोनिया की 'अज्ञात' बीमारी उडनछू कैसे हो गई ।

एक बार इस बारे में जरूर सोचना, प्रश्न वाकई गंभीर है। ऐसे और अनगिनत सवाल हैं, जिनके बारे में हम सबको सोचना चाहिए !

जिस मोदी ने सारे टैक्स मिलाकर जीएसटी एक कर दिया। यूपी में बसपा सपा एक कर दी। महाराष्ट्र में कांग्रेसी शिवसेना एक कर दी। देश की 14 विपक्षी पार्टियां की बुद्धि एक कर दी। और तो और पहले अब्दुल की चार लुगाई थी अब एक कर दी। उस पर आप लोग आरोप लगाते हैं कि मोदी ने देश को बांट दिया।

ढ़कपूरा वाटर सप्लाई पुर्णतया ठप्प

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। पाइप लाइन और ओवर हेड टैंक में लीकेज के चलते 24 घंटे में एक बार मटमैला पानी मिलने से क्षुब्ध उपभोक्ताओं ने संबंधित जेई संदीप मौर्य से शिकायत की तो उन्होंने दूसरे ऑपरेटर रखने की बात कही। जबकि पूर्व का ऑपरेटर अतुल मौर्या का कहना है कि उसका कई माह का भुगतान नहीं मिला है। अतुल ने पंप हाउस की चाबी टैक्स वसूली करने वाले हरिवंश यादव को चाभी सौंप दी। 24 घंटे से पंप हाउस में ताला बंद पड़ा है। जिससे उपभोक्ताओं को पेयजल हेतु दर-दर भटकना पड़ रहा है। यदि अभिलंब व्यवस्था ना हुई तो ग्रामीण एसडीएम फूलपुर कार्यालय पर प्रदर्शन को बांध्य होंगे।

'बेसिक शिक्षकों के साथ मनोवैज्ञानिक और मानसिक कुठाराघात कर खत्म किया अध्ययन अवकाश'

प्रतापगढ़। सर्वजन हिताय संरक्षण समिति महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रीना त्रिपाठी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी ने हम सभी को गरिमा पूर्ण जीवन जीने के लिए सुव्यवस्थित संविधान प्रदान किया।देश के सभी लोग ज्यादा से ज्यादा शिक्षा प्राप्त कर सके इसके लिए चाहे संवैधानिक स्तर पर हो , या कानूनी स्तर पर, या सांकेतिक स्तर पर महान दूरदर्शी बाबा साहब की मूर्ति को भी आप देखे तो उनके हाथ में किताब दिखाई देती है। यानी कि शिक्षा ही वह आधार है जो आपके नैतिक और मौलिक गुणों को निखारती है। निश्चित रूप से शिक्षा प्राप्त करने की कोई उम्र भी नहीं है। लेकिन मनमानी और शोषण पूर्ण आदेश नित्य प्रतिदिन जारी करने वाले बेसिक शिक्षा के महानिदेशक महोदय को यह बात कैसे समझाई जाए कि यदि कोई शिक्षक उच्च शिक्षा के लिए या अपने शिक्षा के स्तर को उन्नयन करने के लिए नौकरी की समय अवधि में अध्ययन अवकाश लेकर पढ़ना चाहता है तो यह उसका मौलिक और नैतिक दोनों प्रकार का अधिकार है। मनगढ़ंत तरीके से नियम बनाकर इसे खत्म नहीं किया जा सकता है।

अध्ययन अवकाश सामान्य जन स्वास्थ्य तथा चिकित्सा अन्वेषण विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग ,लोक निर्माण विभाग ,वन विभाग के सरकारी सेवकों को देय होता है किंतु विशेष परिस्थितियों में जनहित में अन्य विभागों के सेवकों को भी अवकाश प्रदान किया जा सकता है यह अवकाश भारत या भारत के बाहर विशेष गहन अध्ययन व प्रशिक्षण के लिए देय है।

अध्ययन अवकाश के अंतर्गत संबंधित सरकारी सेवक के कम से कम पांच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो अथवा जिनकी सेवानिवृत्ति में कम से कम तीन वर्ष शेष हो, अध्ययन अवकाश एक बार मेंबारह माह संपूर्ण सेवाकाल में अधिकतम चौबिस मास तथा असाधारण एवं चिकित्सीय अवकाश छोड़कर अन्य नियमित अवकाश मिलाकर अधिकतम अट्ठाइस माह तक स्वीकृत किया जा सकता है ।यह अर्द्ध औसत वेतन पर स्वीकृत किया जाएगा, जिसे उत्तर प्रदेश मूल नियम 9(2)में परिभाषित किया गया है,। सरकारी कर्मचारी जिसका अध्ययन अवकाश किसी अन्य अवकाश से मिलाया जाता है उसे अपना अध्ययन अवकाश ऐसे समय में लेना चाहिए कि उसके समाप्त होने पर उसके पास पहले से स्वीकृत दूसरे अवकाश की इतनी अवधि बची रहे जो उसके ड्यूटी पर लौटने में पर्याप्त हो। यदि कोई कर्मचारी जो अध्ययन अवकाश में हो और अपने अवकाश की समाप्ति के पूर्व अपनी ड्यूटी पर लौट आता है तो उसकी ड्यूटी से अनुपस्थिति को उस अवधि के बराबर अध्ययन अवकाश से कम कर दिया जाएगा जब तक कि शासन उस अवधि के लिए साधारण अवकाश देने की अनुमति नहीं दे देता इस पूरे नियम की विस्तृत जानकारी मूल नियम चौरासी तथा सहायक नियम 146अ में उल्लेखित किया गया है।

जबसे बेसिक शिक्षा नियमावली बनी है लगभग तभी से यह अवकाश दे था तो फिर अब ऐसी कौन सी मुसीबत आ गई जिसे विशेष प्रावधान कर खत्म करने का पूरा कुचक्र रचा जा रहा है। यह उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षकों के साथ अन्याय है।अर्थ के इस युग में यदि आर्थिक स्वावलंबन प्राप्त करने के बाद भी कोई व्यक्ति अपनी शिक्षा का उन्नयन करना चाहता है, अपने मानसिक स्तर को और बढ़ाना चाहता है और खुद के वेतन में कटौती करा कर शिक्षा प्राप्त करना चाहता है तो निश्चित रूप से इस में सरकारी तंत्र को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

डॉक्टर रश्मि सिंह पुनः बनी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा महिला

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर। भोपाल रविन्द्रभवन में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के मुख्य आतिथ्य एवं अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश कटियार की अध्यक्षता में आयोजित अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के सम्मेलन में डॉक्टर रश्मि सिंह पुनः अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला ईकाई बनी। राष्ट्रीय अधिवेशन अप्रैल में रायपुर में निर्वाचन प्रक्रिया से संपन्न हुआ था। डॉक्टर रश्मि

सिंह की नियुक्ति पर महासभा ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आपके मनोनयन से समाज को गति मिलेगी।आप जैसे ईमानदार एवं कर्मठ महिला के सहयोग से संगठन मजबूत होगा। पूर्व में भी डॉक्टर रश्मि सिंह द्वारा समाज की महिलाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए कई प्रदेशों में भ्रमण किया गया जिस पर सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक एवं राजनैतिक गतिविधियों पर कार्य किया जा चुका हैं। डॉक्टर रश्मि सिंह ने अपनी पुनः नियुक्ति पर महासभा को आभार व्यक्त किया।

बरेली में कबाब का स्वाद पसंद नहीं आया, तो ठेलेवाले की गोली मारकर की हत्या, आरोपी गिरफ़्तार, खाने के बाद कार सवारों ने पैसे नहीं दिए, विरोध करने पर आरोपियों ने मृतक को मारी थी गोली

बैंक खातों में पड़े रह गए बच्चों के पांच करोड़

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों के छात्र-छात्राओं के लिए भेजे गए पांच करोड़ रुपये बैंक खातों में पड़े रह गए। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने सभी खंड शिक्षाधिकारियों को खातों में पड़ी राशि स्कूल मैनेजमेंट कमेटी (एसएमसी) के खातों में

ट्रांसफर करने के निर्देश दिए हैं। सर्वाधिक 92.55 लाख रुपये नगर क्षेत्र के खाते में पड़े हैं जबकि कोरांव में 47.14, बहादुरपुर 38.90, बहरिया में 32.87, 30.24 लाख रुपये पड़े हैं। सिंगल नोडल खाता (एसएनए) प्रक्रिया शुरू होने के समय एसएमसी के अतिरिक्त सभी इम्लीमेंटिंग एजेंसियों के बैंक खातों में अवशेष राशि को मार्च से अगस्त 2022 तक समग्र शिक्षा के लिए खोले गए सिंगल नोडल खातों में जमा कराए गए थे। लेकिन उसके पूर्व एसएमसी के खातों में अवशेष धराशि नए खातों में ट्रांसफर नहीं की जा सकी थी।

एनटीपीसी सिंगरौली वनिता समाज द्वारा सोनभद्र जिला की 12वीं कक्षा टॉपर सुश्री सीता कुमारी को किया सम्मान

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर, वनिता समाज द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, खड़िया क्षेत्र की छात्रा सुश्री सीता कुमारी को उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा-2023 में 94.8इ वे् साथ इंटरमीडिएट में सोनभद्र जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु प्रतिभा अलंकरण समारोह में सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती पीयूषा अकोटकर, अध्यक्षा, वनिता समाज एवं वनिता समाज की अन्य वरिष्ठ सदस्याओं द्वारा मेधावी छात्रा सुश्री सीता कुमारी को सम्मानित करने हेतु अध्ययन सामग्री किट एव उपहार भेंट की गई। प्रतिभा अलंकरण समारोह का उद्देश्य इस क्षेत्र में छात्र- छात्राओं को अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

श्रीमती पीयूषा अकोटकर, अध्यक्षा, वनिता समाज ने अपने संबोधन में सुश्री सीता कुमारी एवं उनके माता-पिता को 12 वीं कक्षा यूपी बोर्ड में उत्कृष्ट उपलब्धियों और जिले में टॉप करने के लिए बधाई दी। उन्होंने स्कूल के अन्य छात्र-छात्राओं को भी अपने जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सुश्री सीता कुमारी के जैसे मेहनत करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने स्कूल के शिक्षकों को छात्र- छात्राओं के जीवन को आकार देने हेतु उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए भी बधाई दी।

श्री राजीव कुमार, प्रधानाचार्य सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज ने एनटीपीसी सिंगरौली वनिता समाज की वरिष्ठ सदस्याओं को उनके स्कूल की मेधावी छात्रा सुश्री सीता कुमारी को सम्मानित करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा वर्षों से स्कूल को लगातार समर्थन देने हेतु भी आभार प्रकट किया दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एनटीपीसी वनिता समाज के अध्यक्षा श्रीमती पीयूषा अकोटकर एवं अन्य अतिथि गणों में श्रीमती आरती बेहरा (बाल भवन प्रमुख), श्रीमती नीलकमल भोगल (कल्याण प्रभारी), श्रीमती सौम्या कर (टाइनी टोट्स प्रमुख), श्री कुमार आदर्श, कार्यपालक (सीएसआर), श्री सनी शरण, विद्यालय वे् सह व्यवस्थापक, सुश्री सीता कुमारी के अभिभावक, वनिता समाज की वरिष्ठ सदस्याएँ एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहें ।

बांदा में दुष्कर्म की एक सनसनीखेज वारदात

आधुनिक समाचार सेवा

बांदा। दुष्कर्म की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है जहां पर एक युवक ने अपनी पड़ोसी युवती को बहाने से अपने घर यह कह कर लिवा ले गया की मेरे भाभी की तबीयत खराब है युवती युवक के साथ चली गई जिसके बाद आरोपी युवक ने अपने घर के दरवाजे बंद कर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। आपको बता दें पूरा मामला बांदा के शहर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत का है जहां पर अपने घर में अकेली मौजूद लड़की को एक पड़ोसी युवक यह करके लिवा ले गया की उसके भाभी की तबीयत बहुत ज्यादा खराब है जब युवती पड़ोसी व के घर पहुंची तो आरोपी युवक ने घर के दरवाजे बंद कर युवती के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है घटना के बाद चीख-पुकार करते हुए युवती घर के बाहर निकली और पूरे मामले की जानकारी स्थानीय लोगों को दी मौके पहुंचे परिजनों ने पूरे मामले की सूचना पुलिस को दी है पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया मामले की जांच पड़ताल कर रही है!

जिला अस्पताल व तीन सीएचसी पर रोजाना मिलेगी नसबंदी सुविधा

सीएचसी भंगेल, दादरी और बादलपुर पर रोजाना है महिला नसबंदी सेवा की व्यवस्था

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा स्वास्थ्य विभाग ने परिवार नियोजन सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने का प्रयास किया है। इसी कड़ी में जिला संयुक्त अस्पताल, तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी)- भंगेल, दादरी और बादलपुर में रोजाना महिला नसबंदी सेवा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है। यदि किसी महिला को स्वेच्छा से नसबंदी अपनानी है तो वह सीधे इन चारों स्वास्थ्य केन्द्रों पर से किसी पर, किसी भी दिन जा सकती है। यह जानकारी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं परिवार नियोजन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. भारत भूषण ने दी।

डा. भारत भूषण ने बताया- परिवार नियोजन सेवाएं (महिला नसबंदी) उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने दिन निर्धारित किये हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बिसरख और दनकौर में हर मंगलवार को, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जेवर पर हर गुरुवार को और सीएचसी डाढ़ा पर हर माह के दूसरे शुक्रवार और चौथे शुक्रवार को सेवा उपलब्ध रहेगी। इसी तरह पुरुष नसबंदी सेवा रोजाना जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ड़ाढ़ा में उपलब्ध है। इच्छुक पुरुष कभी भी इस सेवा का लाभ ले सकते हैं।

जिला परिवार नियोजन विशेषज्ञ अभिषेक सिंह ने बताया-

परिवार नियोजन की अन्य सेवा, बास्केट ऑफ च्वाइस- त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा, छाया, कॉपर-टी, कंडोम जिला अस्पताल से लेकर सभी सब सेंटर तक पर उपलब्ध है। इसके अलावा हर माह की 21 तारीख को खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन कर परिवार नियोजन सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी जाती है।

यहां उपलब्ध है प्रसव सुविधा

डा. भारत भूषण ने बताया- जनपद में दस स्वास्थ्य केन्द्रों जिला अस्पताल, सीएचसी भंगेल, सीएचसी बादलपुर, सीएचसी दादरी, सीएचसी बिसरख, सीएचसी ढाडा कासना, पीएचसी दनकौर,पीएचसी जेवर,पीएचसी रबुपुरा, पीएचसी बरौला पर प्रसव सुविधा उपलब्ध है। इनमें चार एल-3 फैसिलिटी हैं, जो फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में काम करती हैं। यहां अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों से रेफर होकर प्रसूता यहां आती हैं। जिला अस्पताल, सीएचसी भंगेल, सीएचसी बादलपुर, सीएचसी दादरी एफआरयू के रूप में क्रियाशील हैं।

उन्होंने बताया-संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और मातृ-शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए स्वास्थ्य विभाग प्रयासरत है। इसी क्रम में हर महीने की एक, नौ,16 और 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस जनपद के स्वास्थ्य केन्द्रों पर मनाया जाता है। इन दिवसों पर गर्भवती की प्रसव पूर्व जांच और उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली गर्भवती की पहचान की जाती है।

अनिल दुजाना को अंतिम बार देखने पहुंची भारी भीड़

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा अपराध की दुनिया का बेताज बादशाह अनिल दुजाना गुरुवार को पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने अनिल दुजाना का शव शुक्रवार को परिजनों के लिए सौंप दिया है। अनिल दुजाना की मौत के बाद दुजाना गांव में सन्नाटा पसरा हुआ था और मातम का माहौल बना हुआ था।

दोपहर बाद अनिल दुजाना का शव गांव पहुंचा जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। सब पहुंचने के बाद पूरा गांव भावुक था परिजन रो रहे थे। अनिल दुजाना कुछ लोगों का हितेषी और हमदर्द भी था। ऐसे तमाम लोग गांव में मौजूद थे और वह लोग अपने आंसू नहीं रोक पा रहे हैं। वह समय और था जब अपराधी लोग राजनीति को अपने हिसाब से चलाते थे। समय ने अपनी करवट बदल दी है अब राजनीति का शुद्धीकरण हो रहा है। नई राजनीति में इस तरह के अपराध की अब कोई मान्यता दूर-दूर तक नहीं नजर आ रही है। अंतिम संस्कार के मौके पर दुजाना गांव में तमाम लोग अंतिम दर्शन करने के लिए पहुंचे हैं। परिवार के लोग भी इस अवसर पर पहुंच चुके हैं। गांव में ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।

साल का दूसरा चंद्र ग्रहण आज, क्या है समय और क्या करने होगे उपाय, पूरी जानकारी

आधुनिक समाचार सेवा

सतना।विक्रम संवत् 2080 अर्थात 2023-24 मे पृथ्वी पर कुल तीन सूर्यग्रहण एवं एक चंद्र ग्रहण घटित होंगे। इसके अलावा इस वर्ष भू-लोक पर दो उपच्छाया ग्रहण भी बनेंगे। शुक्रवार 5 मई व 6 मई की रात्रि चंद्र ग्रहण आरंभ से समाप्ति तक भारत में दिखाई देगा। इस चंद्र ग्रहण का स्पर्श 5 मई रात्रि 8.44 बजे से आरम्भ होगा। ग्रहण का मध्य रात्रि 10.53 बजे बताया गया है और ग्रहण का मोक्ष या समाप्ति रात 1.02 बजे यानि 6 मई को होगा। संवत 2080 में दो उपच्छाया ग्रहण के योग बन रहे हैं। इसमें से पहला ग्रहण तथा इस वर्ष का दूसरा चंद्र ग्रहण वैशाख शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा 5 मई को घटने जा रहा है। उपच्छाया ग्रहण वास्तव में चंद्रग्रहण नहीं होता है।

प्रतीक चंद्रग्रहण के घटित होने से पहले चंद्रमा पृथ्वी के उपच्छाया में प्रवेश करता है, जिसे चंद्र मालिन्य भी कहा जाता है। इसके पश्चात ही चंद्रमा पृथ्वी की वास्तविक छाया में प्रवेश करता है और उसी स्थिति में वास्तविक चंद्र ग्रहण होता है। धर्मशास्त्रकारों ने इस प्रकार के उप ग्रहणों में चंद्र बिम्ब पर मालिन्य मात्र छाया आने के कारण इन्हें ग्रहण की कोटि में नहीं रखा है। ऐसे ग्रहण चन्द्र के उपच्छाया ग्रहण या चन्द्र मालिन्य कहलाते हैं। इस प्रकार के उपच्छाया ग्रहणों वे् चलते ग्रहण की समयावधि में चंद्रमा की चांदनी में

कुछ धुंधलापन आ जाता है लेकिन वह अदृश्य नहीं होती। बताया गया कि शुक्रवार 5 मई की रात्रि ग्रहण की समय अवधि में चंद्रमा के ऊपर किसी भी प्रकार का ग्रहण नहीं लगेगा बल्कि उसकी चांदनी में थोड़ा-सा धुंधलापन आ जाएगा। क्योंकि वास्तविक तौर पर आज होने वाला चंद्र ग्रहण चंद्रमा का उपग्रहण है।

उपच्छाया ग्रहण में सूतक का प्रभाव नहीं भारतीय पंचांग की मान्यताओं के अनुसार ग्रहण का सूतक उसी स्थान में प्रभावशाली होता है जहां पर ग्रहण पड़ता है। जहां पर ग्रहण नहीं पड़ रहा है वहां सूतक की मान्यताएं नहीं होती हैं। इसके अलावा उपच्छाया ग्रहण में भी किसी भी प्रकार का सूतक प्रभावी नहीं होता है। इस प्रकार से आज घटित होने वाला चंद्र ग्रहण पूर्ण ग्रहण ना होकर उपग्रहण है। अतः इसमें सूतक आदि की मान्यताएं प्रभावी नहीं होंगी। शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार यह खगोलीय घटना ग्रहण की श्रेणी में नहीं है। अतः ग्रहण संबंधी पथ्य-अपथ्य का विचार ना करते हुए, पूर्णिमा से संबंधित व्रत, उपवास, दान इत्यादि का अनुष्ठान करना चाहिए। आज होने वाले ग्रहण में ग्रहण के सूतक, स्नान, दान इत्यादि का विचार भी नहीं किया जाएगा। मंदिर के पट इत्यादि खोले जा सकेंगे तथा ग्रहण संबंधी सावधानियां तथा राशियों के ऊपर उसके प्रभाव भी प्रभावी नहीं होंगे।

वजन कम करने में आपके काम आ सकते हैं यह एसेंशियल ऑयल

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज करना और सही डाइट लेना ही सबसे उचित उपाय है। अगर आप नियमित रूप से अपने खानपान का ख्याल रखें और व्यायाम करें तो यकीनन अपना वजन कम कर पाएंगे। लेकिन इसके अलावा भी कुछ ऐसे उपाय होते हैं, जो आपको आपका लक्ष्य जल्द प्राप्त करने में मदद करते हैं। अरोमाथेरेपी भी एक ऐसा ही उपाय है। अरोमाथेरेपी से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में तो हर कोई जानता है, लेकिन क्या आपको पता है कि इसकी मदद से वजन कम करने में भी सहायता मिलती है। दरअसल, अरोमाथेरेपी के दौरान कुछ ऐसे एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल किया जाता है, जो फूड क्रेविंग को कम करने के साथ-साथ आपकी एनर्जी को भी बूस्ट अप करते हैं, जिससे वजन कम करने में सहायता मिलती है। तो चलिए आज हम आपको ऐसे ही कुछ एसेंशियल ऑयल के बारे में बता रहे हैं- **लेमन ऑयलः** वजन कम करने के लिए आप नींबू के पानी का सेवन तो करते होंगे, अब आपको लेमन ऑयल का भी इस्तेमाल

करना चाहिए। दरअसल, यह तेल शरीर में मौजूद टॉक्सिन को हटाने में मदद करता है, जिसके कारण आपके शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। साथ ही पाचन तंत्र भी बेहतर तरीके से काम करता है। इसके इस्तेमाल के लिए आप अपने ह्यूमिडिफायर में दो-तीन बूंद लेमन ऑयल की मिलाएं। **लैवेंडर ऑयलः** लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल यूं तो तनाव को कम करने या फिर बेहतर स्लीप के लिए किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह वजन कम करने में भी सहायक है। दरअसल, अत्यधिक तनाव या फिर रात में नींद ना आने की समस्या के कारण व्यक्ति का वजन बढ़ने लगता है। लेकिन जब आप लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल करके अच्छी नींद लेते हैं और तनाव से खुद को दूर करते हैं तो इससे वजन कम होना शुरू होता है। इतना ही नहीं, यह फूड क्रेविंग्स को भी कम करने में सहायक है। बस आप इसकी तीन-चार बूंद अपने हाथ पर छिड़कें और उसे सूंघें। रात को सोने से पहले ऐसा करना अत्यधिक लाभकारी माना गया है। **पेपरमिंट ऑयलः** पेपरमिंट ऑयल आपके एनर्जी लेवल को बूस्ट करने का काम तो करता है ही, साथ ही यह अनहेल्दी फूड के प्रति क्रेविंग्स को भी कम करता है। इसकी महक से आपको लंबे समय तक फुल होने का अहसास होता है और अतिरिक्त कैलोरी का सेवन करने से बच जाते हैं। आप अपने नहाने के पानी में इसकी चार-पांच बूंदे मिला सकते हैं।

रोजाना सुबह इन ड्रिंक्स का करें सेवन, कोरोना समेत हर बीमारियों से लड़ने में मिलेगी मदद!

जैसा कि आप जानते हैं कि दुनियाभर में कोरोना वायरस फैल चुका है, ऐसे में इससे बचाव के लिए इम्यूनिटी सिस्टम को स्ट्रांग बनाए रखने की सलाह दी जा रही है। हालांकि सिर्फ कोरोना से ही नहीं अन्य छोटी-बड़ी बीमारियों से बचाव के लिए भी इम्यूनिटी सिस्टम का मजबूत होना जरुरी है। इसे मजबूत बनाए रखने के लिए आप अपनी रोजाना डाइट में कुछ फूड और ड्रिंक्स शामिल कर सकते हैं।

आप चाहे तो लहसुन या ब्रोकली को कच्चा चबकर अपनी इम्यूनिटी बढ़ा सकते हैं। वहीं, अगर आपको इसका सेवन करना पसंद नहीं है तो आप कुछ ड्रिंक्स को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ ही गर्मी के मौसम में राहत भरे रहेंगे। आज हम आपको कुछ ऐसे ड्रिंक्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिनका रोजाना सुबह सेवन करने पर आप बीमारियों से लड़ सकेंगे, आइए जानते हैं... **अदरक और नींबू की चायः** ज्यादातर लोग अपनी सुबह की शुरुआत चाय या कॉफी पीकर करते हैं। अगर आप भी उनमें से ही हैं तो फिर आज से अपनी इस आदत में थोड़ा बदलाव कर लीजिए, साथ ही अपनी सेहत को अच्छा बनाने के लिए एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन से भरपूर अदरक और नींबू की चाय का सेवन शुरु कर दीजिए। ऐसा करने से आप बीमारियों से तो दूर रहेंगे ही इसके अलावा आपका इम्यूनिटी सिस्टम भी स्ट्रांग होगा। आप चाहे तो इसमें इलाइची पाउडर भी मिला सकते हैं। **आंवले का जूसः** स्वास्थ्य के लिए आंवले का सेवन करना बेहद लाभदायक होता है। दो संतरों के बराबर एक आंवले में विटामिन सी मौजूद होता है। ये कई तरह की बीमारियों से लड़ने में बेहद लाभदायक साबित होता है। आंवले के फल या जूस का सेवन करने पर विटामिन सी समेत कैरोटीन, जिंक, फाइबर, आयरन, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, एंटीऑक्सीडेंट्स, कैल्शियम आदि मिलते हैं। **ऐसे बनाएं ताकत से भरपूर्ण शेकः** ताकत से भरपूर शेक का सेवन करने से आपका इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होता है, इसे बनाना काफी सरल है। इसके लिए आपको दो संतरे, एक गाजर, 1 चम्मच चिया सीड्स, 200 एमएल दही, आधा चम्मच हल्दी, आधा चम्मच घिसा हुआ अदरक, आधा चम्मच इलाइची, आधा चम्मच नारियल का तेल ले लें। इसके बाद इन सभी चीजों को ब्लेंडर या जूसर में डालकर अच्छे से ब्लेंड करें और फिर ग्लास में डालकर इसका सेवन करें। इससे आप खुद में ताजगी महसूस करेंगे और आपका इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होगा। **ऑरेंज जूसः** रोजाना सुबह ऑरेंज जूस पीने से आपके शरीर को पर्याप्त विटामिन सी मिलता है। आप चाहे तो इसका सेवन नाश्ते के साथ कर सकते हैं। इसकी मदद से इन्फेक्शन्स से लड़ा जा सकता है। अगर आपको ऑरेंज जूस का सेवन करना पसंद नहीं है तो आप टमाटर के जूस का भी सेवन कर सकते हैं। **केले और पालक का जूसः** हरी सब्जी का सेवन करने से हमारे शरीर को कई तरह के लाभ होते हैं। इसका सेवन करने से विटामिर्न ,ख और ण समेत पोटेशियम, कैल्शियम, कॉपर और मैगनेशियम मिलता है। आप चाहे तो पालक का जूस पी सकते हैं। इसके अलावा केले का जूस भी सेहत के लिए काफी लाभदायक साबित होता है। ये शरीर को ताकतवर बनाता है।

वजन करना है कम, तो कुछ ऐसा हो आपका नाश्ता

अगर आप बेहद आसानी से अपना वजन कम करना चाहते हैं तो आपको अपने नाश्ते में फाइबर युक्त आहार को शामिल करना चाहिए। फाइबर युक्त नाश्ता करने से ना सिर्फ शरीर में उर्जा का स्तर बना रहता है, बल्कि इससे आपका पेट देर तक भरा रहता है। आज के समय में बहुत से लोग अपने बढ़े हुए वजन से परेशान हैं। अधिकतर लोग अपना वजन कम करने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन सिर्फ एक्सरसाइज करके पसीना बहाने से कुछ नहीं होने वाला। जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी ध्यान दें। ना सिर्फ वजन कम करने, बल्कि आपको हेल्दी रखने में भी डाइट बेहद महत्वपूर्ण है। अगर आहार की बात हो तो दिन का पहला मील अर्थात् आपका नाश्ता शरीर के लिए बेहद जरूरी स्थान रखता है। इसलिए वजन कम करने के लिए आपको अपने ब्रेकफास्ट पर विशेष ध्यान देना चाहिए। तो चलिए जानते हैं कि वजन कम करने के लिए कैसा हो आपका नाश्ता- **फाइबर युक्त आहारः** अगर आप बेहद आसानी से अपना वजन कम करना चाहते हैं तो आपको अपने नाश्ते में फाइबर युक्त आहार को शामिल करना चाहिए। फाइबर युक्त नाश्ता करने से ना सिर्फ शरीर में उर्जा का स्तर बना रहता है, बल्कि इससे आपका पेट देर तक भरा रहता है। जिसके कारण आप अतिरिक्त कैलोरी का सेवन करने से बच जाते हैं। **प्रोटीनः** वजन घटाने में प्रोटीन की अहम् भूमिका होती है। यह आपको अधिक देर तक फुल रखता है और ओवरईटिंग को कम करता है। इसके अलावा प्रोटीन आपको अतिरिक्त कैलोरी बर्न करने में भी मदद करता है। जिसके कारण आपका वजन कम होने लगता है। इसलिए आप प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों को अपने नाश्ते का हिस्सा बनाएं। **हाई कैलोरी फूड को कहें नोः** दिन की शुरूआत में जहां तक संभव हो सके, हाई कैलोरी फूड से बचने की कोशिश करनी चाहिए। दरअसल, कैलोरी

इनटेक को कम करने से आपको वजन कम करने में सहायता मिलती है। इसलिए दिन की शुरूआत में आप अपने आहार में बहुत अधिक शुगर एड करने से बचें। अगर आप हेल्दी ओटमील खाते हैं और उसमें काफी मात्रा में शुगर एड करते हैं तो आपका यह हेल्दी नाश्ता भी अनहेल्दी बन जाता है। **शुगर ड्रिंक्स को नोः** आमतौर पर देखने में आता है कि लोग अपने खाद्य पदार्थों पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन मार्निंग ड्रिंक्स की तरफ उनका ध्यान ही नहीं जाता, जबकि कैलोरी इनटेक में इनकी एक बड़ी भूमिका होती है। इसलिए सुबह के समय अपनी ड्रिंक्स का चयन सोच समझकर करें। एक गिलास प्रोसेस्ड जूस में लगभग 100 कैलोरी होती है, जबकि इसमें पोषक तत्व शून्य होते हैं। इस तरह इसका सेवन सिर्फ कैलोरी एड करता है।

गर्मियों में करनी है त्वचा की हिफाजत तो आपके वैनिटी बॉक्स में ज़रूर होनी चाहिए यह चीज़ें

पूरे दिन धूप में रहने के बाद चेहरे को थोड़ी ठंडक की ज़रूरत होती है, जो एलोवेरा जेल लगाने से मिलती है। इसके अलावा एलोवेरा जेल सनटैन सन बर्न की समस्या से भी राहत दिलाती है। धूप में जाने से यदि त्वचा जल गई है या लाल हो गई है तो एलोवेरा जेल लगाना बहुत फायदेमंद होता है। गमिर्यों के मौसम में धूप, धूल-मिट्टी और पसीना त्वचा संबंधी समस्याओं को बढ़ा देती है। यदि इस मौसम में त्वचा की ठीक तरह से देखभाल न की जाए तो पिंपल्स, सनटैन के साथ ही अन्य

स्किन प्रॉब्लम्स भी हो सकती हैं। इसलिए आपको यह पता होना चाहिए कि इस मौसम में अपनी त्वचा की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए आपको किन-किन चीज़ों की ज़रूरत होगी। **क्लिंजरः** धूल-मिट्टी से तो हर मौसम में त्वचा को बचाने के लिए उसकी अच्छी तरह से सफाई ज़रूरी है, लेकिन गमिर्यों के मौसम में इसकी ज़रूरत और बढ़ जाती है, क्योंकि धूल-मिट्टी के साथ ही पसीना भी बहुत अधिक आता है इसलिए त्वचा पर चिपकी गंदगी को अच्छी तरह से साफ करने के लिए क्लींजि़ंग ज़रूरी है। साबुन से बार-बार चेहरा धोने पर स्किन ड्राई हो जाती है, लेकिन क्लींजि़ंग मिल्क त्वचा की नमी को बनाए रखता है, इसलिए अपने ब्यूटी बॉक्स में एक अच्छा क्लिंजर ज़रूर रखें। **मॉइश्चराइज़रः** यदि आपको यह लगता है कि सिर्फ सदिर्यों के मौसम में ही त्वचा को मॉइश्चराइज़ करने की ज़रूरत होती है, तो आप गलत हैं। भले ही गमिर्यों में आपकी त्वचा ऑयली दिखे, लेकिन यह पसीने की वजह से होता है, त्वचा की कुदरती नमी बनाए रखने के लिए फेसवॉश के बाद मॉइश्चराइज़र ज़रूरी है। इससे त्वचा की चमक भी बरकरार रहती है। **सनस्क्रीनः** समर सीजन में त्वचा की पहली ज़रूरत है सनस्क्रीन, जो सूर्य की हानिकारक किरणों से आपकी त्वचा की हिफाजत करता है और उसे सनटैन से भी बचाता है। इसलिए गर्मी के मौसम में कोई और ब्यूटी प्रोडक्ट भले ही आप भूल जाएं, मगर अपने वैनिटी बॉक्स में अच्छी क्वालिटी का सनस्क्रीन ज़रूर शामिल करें। एक्सपर्ट्स के मुताबिक 50 एसपीएफ वाला सनस्क्रीन त्वचा के लिए अच्छा होता है, क्योंकि यह सूर्य की हानिकारक किरणों से ज़्यादा सुरक्षा प्रदान करता है। **रोल-ऑन डीऑडरन्ट भी है ज़रूरीः** गमिर्यों में सिर्फ चेहरा का भी ध्यान रखना ज़रूरी नहीं है, बल्कि पूरी बॉडी को फ्रेश रखने के लिए रोल-ऑन डीऑडरन्ट भी ज़रूरी है। यह आपकी बॉडी को पीसने की दुर्गंध और कीटाणुओं से बचाकर तरोताजा रखता है। खासतौर पर अंडरआर्म्स से आने वाले पसीने की वजह से अधिक बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं और दुर्गंध का कारण बनते है, इसलिए इस हिस्से पर रोल-ऑन डीऑडरन्ट का इस्तेमाल करके उसे तरोताजा रखा जा सकता है। **एलोवेरा जेलः** पूरे दिन धूप में रहने के बाद चेहरे को थोड़ी ठंडक की ज़रूरत होती है, जो एलोवेरा जेल लगाने से मिलती है। इसके अलावा एलोवेरा जेल सनटैन सन बर्न की समस्या से भी राहत दिलाती है। धूप में जाने से यदि त्वचा जल गई है या लाल हो गई है तो एलोवेरा जेल लगाना बहुत फायदेमंद होता है।

ग्राफिक डिजाइन के क्षेत्र में मौजूद हैं असीम संभावनाएँ

यदि आपकी ड्राइंग अच्छी है, और आप कुछ हटकर सोच रखते हैं तो आप अपनी सोच को ग्राफिक के जरिए न सिर्फ व्यक्त कर सकते हैं, बल्कि इससे अपना एक बेहतर भविष्य भी बना सकते हैं। पिछले कुछ समय में जिस प्रकार मीडिया व वेब का विस्तार हुआ है, उसे देखते हुए इस क्षेत्र में काम की कोई कमी नहीं है। एक अच्छा ग्राफिक डिजाइनर न सिर्फ देश में बल्कि विदेशों में भी अपने कॅरियर के नए आयाम खोज सकता है।

क्या होता है कामः एक ग्राफिक डिजाइनर का मुख्य काम शब्दों, इमेज व ग्राफिक डिजाइन के जरिए अपने आईडिया को बेहतरीन तरीके से पेश करना होता है। वह बेहद कम लेकिन प्रभावित करने वाले शब्दों का इस्तेमाल करके अपने संदेश को जनता तक पंहुचाता है। एक ग्राफिक डिजाइनर अखबारों, मैगजीन, कॉरपोरेट रिपोर्टस,

जर्नल्स और अन्य पब्लिकेशन के लिए ग्राफिक डिजाइंस क्रिएट करता है। उनका मुख्य काम अपने टारगेट ऑडियंस को ध्यान में रखते हुए ऐसे ग्राफिक डिजाइन बनाना होता है, जो उस कैटेगरी की जनता को प्रभावित करे। **स्किल्सः** इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आपका रचनात्मक होना बेहद आवश्यक है। आपकी रचनात्मकता ही इस क्षेत्र में आपको आगे लेकर जाती है। इस क्षेत्र में आने के लिए संवेदनशीलता, कल्पनाशीलता एवं किसी चीज को बारीकी से देखने की समझ होनी चाहिए। लंबे समय तक एकाग्रचित होकर काम करने की क्षमता भी होनी चाहिए। आपका धैर्य व कड़ी मेहनत आपके काम को निखारने का काम करती है। एक ग्राफिक डिजाइनर को टेक्निकल जानकारी के साथ कम्प्यूटर व डिजाइन स्किल तथा अपने ग्राफ्रिक से दर्शकों को खींचने की क्षमता भी होनी चाहिए। साथ ही आपको डेडलाइंस पर काम करना भी आना चाहिए। एक ग्राफिक डिजाइनर अगर बेहद प्रेशर में भी काम कर सकता है, तभी वह सफल हो सकता है। आपके अंदर मार्केट ट्रेंड को देखते हुए खुद से कुछ नए आईडिया को जनरेट करने की क्षमता भी होनी चाहिए।

योग्यताः बारहवीं के पश्चात् ग्राफिक डिजाइन या फाइन आर्टस में बैचलर्स डिग्री प्राप्त करके आप इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। इस बैचलर डिग्री की अवधि करीबन तीन साल होती है। वैसे अगर आप चाहें तो एक वर्ष का विजुअल कम्युनिकेशन डिप्लोमा करके भी यहां पर कॅरियर की संभावनाएं तलाश सकते हैं। वैसे कुछ संस्थान दो वर्ष का कोर्स भी कराते हैं।

संभावनाएंः ग्राफिक डिजाइनर बनने का एक सबसे बड़ा लाभ यह है कि अगर आप अपने काम में माहिर हैं तो सिर्फ भारत में ही नहीं, आप विदेशों में भी कॅरियर की संभावनाएं तलाश सकते हैं। एक ग्राफिक डिजाइनर विभिन्न मीडिया संस्थानों से लेकर पैकेजिंग, फिल्म व एनिमेशन, एड एजेंसी, मार्केटिंग फर्म्स, डिजाइन स्टूडियो, एजुकेशनल संस्थानों, ऑडियो-विजुअल मीडिया, पब्लिशर्स आदि के यहां काम की तलाश कर सकते हैं। आप चाहें तो घर से भी बतौर फ्रीलांस ग्राफिक डिजाइनर काम कर सकते हैं। वैसे कुछ बड़े बिजनेस प्रोजेक्टस के लिए भी ग्राफिक डिजाइनर्स की आवश्यकता पड़ती है। आप चाहें तो वहां पर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनीः एक ग्राफिक डिजाइनर की आमदनी उसके अनुभव, रिस्पॉन्सिबिलिटी व ट्रेनिंग पर निर्भर करती है। वैसे एक फ्रेशर शुरूआती दौर में, 7000 से 10000 रुपए आसानी से कमा सकता है। इस क्षेत्र में जैसे-जैसे आपका अनुभव बढ़ता जाता है, आपकी आमदनी भी बढ़ती जाती है। **प्रमुख संस्थान** दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली। सर जेजे इंस्टीट्यूट ऑफ अप्लाइड आट्र्स, मुंबई। गवर्नमेंट फाइन आटर्स इंस्टीट्यूट, इंदौर, मध्यप्रदेश। जेमिनी एनिमेशन, नई दिल्ली। माया एकेडमी ऑफ एडवांस्ड सिनेमेटिक्स, मुंबई। पावयट एनिमेशन, चेन्नई। केल्टरॉन एनिमेशन कैम्पस, केरल। एक्सप्लोरा डिजाइन स्कूल, विभिन्न केन्द्र। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस।

इसे घर में करें पेडीक्योर, पैर दिखेंगे खूबसूरत

ब्यूटी पार्लर बंद हैं लेकिन अगर आप अपने पैरों को खूबसूरत बनाना चाहती हैं तो आइए हम आपको घर में पेडीक्योर करने के तरीके बताते हैं जो न केवल आसान है बल्कि आपके लिए किफायती भी साबित होगा। घर में पेडीक्योर करने के लिए सबसे पहले आप ऐसा टब जिसमे दोनों पैर आराम से रख सकें। इसके अलावा आधी बाल्टी गर्म पानी, नेल पोलिश रिमूवर, नेल कटर, नेल फाइल, क्यूटिकल क्रीम, क्यूटिकल रिमूवर, नेल ब्रश, प्यूमिक स्टोन, और तौलिया पेडीक्योर के लिए बहुत जरूरी हैं। साथ ही एक नींबू, चिकने छोटे पत्थर, गुलाब की पत्तियां, सेंधा नमक, शैम्पू, फुट स्क्रब, बादाम का तेल, जैतून का तेल और नारियल के तेल की भी जरूरत पड़ सकती है।

सभी प्रकार के सामान इकट्ठा कर लेंः घर में अच्छी तरह से पेडीक्योर करने के लिए सबसे पहले सभी सामान इकट्ठा करें। इसके लिए सबसे पहले किसी टब या बाल्टी में गर्म पानी रख लें। उसके बाद नेल कटर, नेल बफर, नेल पॉलिश, प्यूमिक स्टोन, स्क्रब करने का ब्रश, नमक, क्यूटिकल और लोशन भी अपने पास रख लें।

सबसे पहले नाखून से हटाएं नेल पॉलिशः सबसे पहले पैरों से नेल पॉलिश हटाएं। हमेशा एल्कोहल फ्री नेल पेंट इस्तेमाल करें इससे नाखून सेहतमंद बने रहते हैं। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखें कि एल्कोहल फ्री नेल पॉलिश गहरे रंग की नेल पेंट पर काम नहीं करती है। नेल पॉलिश हटाने के लिए नेल थिनर या एक्टोन रिमूवर का

इस्तेमाल कर सकते हैं।

पैरों को पानी में भिगों कर रखेंः पेडीक्योर करते समय किसी बाल्टी या टब में गर्म पानी रखकर उसमें नमक या तेल डालें। उसके बाद उस पानी में पैरों को कम से कम 10 मिनट तक भिगों कर रखें। गर्म पानी में पैर डालने से गंदगी फूल जाती है और पैरों की सफाई करने में मदद मिलती है। **नाखूनों को काट कर दें नयी शेप :** अब आप अपने नाखूनों को काट कर कोई भी आकार दे सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे नाखून को ऐसे कांटें कि उसका सफेद भाग दिखायी देता रहे। नाखून को सही आकार देने के लिए फाइलर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

अपने क्यूटिकल को ठीक करेंः क्यूटिकल को ठीक करने क्यूटिकल स्टिक या आइसक्रीम स्टीक का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा आप क्यूटिकल ट्रिमर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। उसके बाद माश्चराइज करने के लिए क्यूटिकल तेल लगाएं। **फाइलर का भी कर सकते हैं प्रयोगः** नाखूनों को मुलायम करने और नाखून को सही आकार देने के लिए आप फाइलर का यूज कर सकते हैं।

पंजों की सफाई भी है जरूरीः नाखून की साफ करने के बाद आप अपने पंजों को साफ करें। पंजों की सफाई में एडि़यों को साफ करना जरूरी है। एडि़यों को प्यूपिक स्टोन से साफ करें। लेकिन ध्यान रखें कि एडि़यों को ज्यादा न रगड़े क्योंकि इससे इरिटेशन होती है। इसके अलावा पैरों की उंगलियों और दूसरे हिस्सों की सफाई करें। पैरों की सफाई के लिए आप साबुन का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

नाखूनों की करें मालिशः पैरों की साफ-सफाई के बाद उसको माश्चराइज करें। इस प्रकार लोशन लगाने से नाखून खराब हो सकते हैं इसलिए नाखूनों पर नेल रिमूवर से मालिश करना न भूलें।

अब लगाएं बेस कोटः नाखून की मालिश करने के बाद उन पर बेस कोट लगाएं। इस बेस कोट से आपके नाखून पीले नहीं पड़ेगें और नेल पॉलिश भी नाखून पर लम्बे समय तक टिकी रहेगी। **नेल पॉलिश लगाने में बरतें सावधानीः** पेडीक्योर के अंत नाखून पर नेल पॉलिश लगाएं। नेल पॉलिश लगाते समय ध्यान रखें कि क्यूटिकल्स से शुरू कर ब्रश को ऊपर ले जाएं। नाखून से बाहर नेल पॉलिश न जाए इसके लिए आइसक्रीम स्टीक का इस्तेमाल कर सकते हैं। नेल पॉलिश की एक कोट सूखने के बाद ही दूसरी कोट लगाएं।

मांसपेशियों में आती है एठन, कैल्शियम की कमी हो सकती है जिम्मेदार, हो सकती हैं ये परेशानियां

कभी चलते चलते तो कभी रात को सोते समय मांसपेशियों में ऐंठन आ जाती है। आमतौर पर ये ऐंठन तब होती है जब दो या उससे अधिक मांसपेशियां आपस में उलझ जाती है। ये मांसपेशियां उलझकर सख्त हो जाती है। इसे नस चढ़ना भी कहा जाता है। वहीं मेडिकल टर्म में इसे अनैच्छिक संकुचन यानी इनवॉलंटियरी कॉन्ट्रैक्शन कहा जाता है। मांसपेशियों की ऐंठन के लिए कई कारण हो सकते है। इन क्रैंप्स के लिए कैल्शियम की कमी भी अहम कारण हो सकती है। वैसे कैल्शियम की कमी के कारण और भी कई समस्याएं हो सकती है। - इसमें हाथ पैरों में झनझनाहट होना शामिल है। कैल्शियम की कमी होने पर हाथ पैरों में झनझनाहट होने की

समस्या हो सकती है। कई मामलों में हाथ या पैर सुन्न भी हो जाते है। जब शरीर में कैल्शियम कम होने लगता है तो इस तरह के संकेत दिखते है। - अगर दिन भर काम करने के बाद भी रात को सोने में परेशानी का सामना करना पड़ता है तो ये भी कैल्शियम की कमी के कारण हो सकता है। थकान और कमजोरी होने के बाद भी नींद पूरी ना होना इशारा करता है कि शरीर में कैल्शियम की भारी कमी है। - कैल्शियम दांतों के इनेमल को मजबूती देता है। इनेमल दांतों के बाहर एक कठोर परत होती है, जिससे दांत खराब होने से बचते है। शरीर में कैल्शियम की कमी होने पर दांतों में कमजोरी होने लगती है। कैल्शियम की कमी होने पर दांतों के खराब होने की संभावना काफी अधिक हो जाती है। जब दातों से इनेमल गायब होता है तो सेंसिटिविटी और दर्द भी होता है। - ऑस्टियोपोरोसिस महिलाओं में होने वाली आम बीमारी है, जिसमें हड्डियां कमजोर होकर टूट जाती है। आमतौर पर महिलाओं को एक उम्र के बाद इस बीमारी का सामना करना पड़ता है। इस समस्या में फ्रैक्चर और हड्डी संबंधित बीमारी होने का खतरा अधिक बढ़ जाता है। - अगर नाखून और बाल काफी आसानी से टूटते हैं तो ये भी इशारा है कि शरीर में कैल्शियम की काफी कमी हो रही है। शरीर में कैल्शियम की कमी होने पर नाखून और बाल टूटने लगते है। बालों के रूखापन और बेजान होने के लिए भी कैल्शियम ही जिम्मेदार माना जाता है।

नीरज चोपड़ा आज दोहा में करेंगे धमाल मचाने की शुरुआत, जानें कहां देख सकेंगे मुकाबला

नई दिल्ली। ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा डायमंड लीग चैंपियन के रूप में पहली बार हिस्सा लेने जा रहे है। नीरज चोपड़ा शुक्रवार को होने वाले इस मुकाबले के लिए मैदान पर उतरेंगे तो वो अपने चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती पेश करेंगे। दुनिया भर में भारत का नाम रोशन करने वाले इस खिलाड़ी का मकसद है कि डायमंड लीग के दोहा चरण में दमदार प्रदर्शन कर सत्र का शानदार आगाज कर सकें।

नीरज चोपड़ा के लिए भी ये चुनौती आसान नहीं होने वाली है। विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले इस 25 वर्षीय नीरज चोपड़ा के सामने यहां के कतर स्पोर्ट्स क्लब में ग्रेनाडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स (सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.07 मीटर) और चेक गणराज्य के तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता याकूब वालेच (सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90.88 मीटर) जैसे खिलाड़ियों की चुनौती होगी। वहीं नीरज का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड है।बता दें कि नीरज चोपड़ा दूसरी बार दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेने जा रहे है। इससे पहले वह 2018 में भी उन्होंने पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। इस दौरान वो 87.43 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। हालांकि इस लीग के पिछले सीजन में नीरच हिस्सा नहीं ले सके थे जिसके पीछे 'समग्र फिटनेस और ताकत' की कमी को कारण बताया गया था। वह पिछले सितंबर में ज्यूरिख में 2022 ग्रैंड फिनाले जीतने के बाद डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय बने थे। इससे एक महीने पहले वह लुसाने में डायमंड लीग मीट जीतने वाले पहले भारतीय बने थे।

नीरज ने पिछले महीने कहा था कि वह उस समय शारीरिक और तकनीकी रूप से बेहतर महसूस कर रहे हैं लेकिन पिछले साल यहां की बेहद कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए सत्र के शुरुआती डायमंड लीग में शीर्ष पुरस्कार जीतना उनके लिए आसान नहीं होगा। नीरज, पीटर्स और वालेच के अलावा जर्मनी के यूरोपीय चैंपियन जूलियन वेबर (सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.54 मीटर), 2012 के ओलंपिक चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकोट (सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90.16 मीटर) और पूर्व विश्व चैंपियन एवं 2016 के ओलंपिक रजत पदक विजेता केन्या के जूलियस येगो (सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 92.72 मीटर) भी खिताबी मुकाबले में चुनौती पेश करेंगे।नीरज ने प्रतियोगिता की पूर्व संख्या पर कहा, '' यह सत्र की मेरी पहली प्रतियोगिता है। जब आपके पास बड़े प्रतिस्पर्धी हों तो यह हमेशा अच्छा होता है।'' उन्होंने कहा, '' वालेच पहले ही पोशेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका, 18 अप्रैल को) में अपना भाला 88.38 मीटर दूर फेंक चूका है, इसलिए मुझे लगता है कि कल बड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इसके साथ ही, दोहा 90 मीटर के थ्रो के लिए प्रसिद्ध है। इसलिए हम देखेंगे, उम्मीद है कि कल सभी को अच्छा परिणाम मिलेगा।'' भारत के लिए एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज का लक्ष्य 90 मीटर की दूरी को छूना है। वह सत्र की पहली प्रतियोगिता में ऐसा करने में सफल होते है या नहीं यह देखना होगा। उन्होंने कहा, '' पिछले साल, मैं 90 मीटर की दूरी तय करने से सिर्फ छह सेंटीमीटर दूर रह गया था। मुझे इस साल ऐसा करने की उम्मीद है लेकिन मैं खुद पर कोई दबाव नहीं डालूंगा। यह एक जादुई निशान है और 90 मीटर क्लब भालाफेंक की दुनिया में प्रसिद्ध है। मुझे इस साल इसमें प्रवेश करने की उम्मीद है।''

दोहा मीट में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में त्रिकूद चैंपियन एल्डहोज पॉल भी चुनौती पेश करेंगे। इस स्पर्धा में तोक्यो ओलंपिक चैंपियन पेड्रो पिचार्डो , क्यूबा के डायमंड लीग विजेता एंडी डियाज हर्नांडेज और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण विजेता (2012 और 2016) और पांच बार के विश्व चैंपियन अमेरिका के क्रिश्चियन टेलर भाग ले रहे है। पॉल का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 16.99 मीटर है, ऐसे में उनके लिए शीर्ष तीन में जगह बनाना काफी मुश्किल भरा होगा। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों (बर्मिंघम) में हालांकि हवा की मदद से 17.03 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

गुजरात और राजस्थान के बीच होगी कांटे की टक्कर, आंकड़ों के मुताबिक डिफेंडिंग चैंपियंस के पलड़ा है भारी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स और डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस के बीच मुकाबला खेला जाना है। इस मुकाबले का आयोजन राजस्थान के होम ग्राउंड जयपुर स्थित सवाई मान सिंह स्टेडियम में होने वाला है। इस मुकाबले में एक तरफ जहां राजस्थान की कमान संजू सैमसन संभालेंगे वहीं गुजरात का नेतृत्व हार्दिक पांड्या करते दिखेंगे।

बता दें कि राजस्थान और गुजरात की टीमें इससे पहले सीजन के पहले चरण में गुजरात के अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी में आमने सामने आ चुकी है। इस मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात की टीम को उसी के मैदान पर 3 विकेट से शिकस्त दी थी जो काफी हैरान करने वाला था। इस मुकाबले में गुजरात की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 178 रन बनाए थे जिसे राजस्थान ने शिमरोन हेटमायर की अर्धशतकीय पारी की बदौलत आसानी से हासिल कर लिया गया था।

गुजरात टाइटंस की टीम राजस्थान से घर पर मिली हार का बदला लेने मैदान पर उतरेगी। इस सीजन के आंकड़ों के अनुसार गुजरात की टीम मजबूत स्थिति में है। गुजरात टाइटंस नौ में से छह मुकाबले जीतकर शीर्ष

पर बनी हुई है जबकि राजस्थान नौ में से पांच मुकाबले जीतने के बाद चौथे स्थान पर है। ऐसे में दोनों टीमें अपनी स्थिति को सुधारने के उद्देश्य से मुकाबला जीतना चाहेगी।

सवाई मान सिंह स्टेडियम की पिच की बात करें तो इस स्टेडियम में इस सीजन में दो मुकाबले खेले गए है। पहले मुकाबले में लखनऊ की टीम ने राजस्थान को 155 रनों का लक्ष्य दिया था जिसमें राजस्थान को 10 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद दूसरा मुकाबला चेन्नई और राजस्थान के बीच खेला गया था जिसमें चेन्नई की टीम को मात खानी पड़ी थी। चेन्नई ने ये मुकाबला 32 रनों से हारा था, जिसमें उसे 203 रनों का लक्ष्य मिला था मगर टीम 170 रनों पर सिमट गई थी।

आंकड़ों के मुताबिक ये पिच बल्लेबाजों के लिए अच्छी साबित हो सकती है। बल्लेबाज इस पिच पर रनों की धमाकेदार बारिश कर सकते है। इस स्टेडियम में दोनों मुकाबलों में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को ही जीत मिली है। यानी लक्ष्य का पीछा करना इस पिच पर काफी मुश्किल हो जाता है। गेंदबाजी के लिहाज से स्पिनर्स और तेज गेंदबाज के लिए ये पिच अच्छी है।

भारत और पाक का मुकाबला पीएम मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मुकाबलों को लेकर फैंस को काफी उत्साह रहता है। दोनों देशों के बीच मुकाबले काफी कम होते हैं मगर इन मुकाबलों को लेकर फैंस में भारी उत्साह देखने को मिलता है। भारत और पाकिस्तान के बीच इस बार मुकाबला विश्व कप के दौरान देखने को मिलेगा, जिसमें 50 ओवर का मुकाबला खेला जाएगा।इस वर्ष अक्टूबर नवंबर में आयोजित होने वाले विश्व कप के दौरान भारत में ये मुकाबला खेला जाना है। माना जा रहा है कि ये हाईवोल्टेज ड्रामे से भरपूर मुकाबला

गुजरात के अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। हालांकि इसकी अब तक आधिकारिक पुष्टी नहीं हो सकी है। भारत और पाकिस्तान के मुकाबलों को देखने के लिए फैंस में अलग ही उत्साह और क्रेज देखने को मिलता है। वहीं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने देश के सबसे बड़े स्टेडियम में इस मैच को आयोजित करने का फैसला किया है। बता दें कि भारत में वर्ष 2016 के बाद से अब तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला नहीं खेला गया है। दोनों ही टीमें लंबे अर्से के बाद भारत में मैच खेलेंगी। ये भी संभावना जताई गई है कि पाकिस्तान की टीम के अधिकतर मुकाबले बेंगलुरु और चेन्नई में होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुकाबिक बीसीसीआई ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इस मैच को आयोजित किए जाने का निर्णय किया है। बता दें कि ये देश का सबसे बड़ा स्टेडियम है जिसमें 1 लाख लोगों के बैठने की क्षमता है। माना जा रहा है बीसीसीआई इस वर्ष भारत में आयोजित होने वाले विश्व कप आयोजन के शेड्यूल का ऐलान शानदार अंदाज में करेगा। संभावना है कि विश्व कप 2023 का आयोजन इस वर्ष 5 अक्टूबर से किया जा सकेगा। माना जा रहा है कि विश्व कप के मुकाबलों का आयोजन देश के 12 शहरों में किया जाएगा जिसमें दिल्ली, लखनऊ, हैदराबाद, गुवाहाटी, कोलकाता, राजकोट, इंदौर, धर्मशाला, नागपुर, बेंगलुरु, त्रिवेंद्रम और मुंबई शामिल है। इस शहरों के मैदानों पर प्रैक्टिस मुकाबले खेले जाएंगे।

कोटला को कोहली का इंतजार, दिल्ली और आरसीबी के मैच में नजरें बल्लेबाजों पर

नयी दिल्ली। पिछले मैच में चमत्कारिक जीत दर्ज करने वाली दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर शनिवार को आईपीएल के महत्वपूर्ण मुकाबले में कोई कोताही नहीं बरतना चाहेंगी और इसके लिये बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी की स्थिति दिल्ली से बेहतर है लेकिन फाफ डु प्लेसी की टीम कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगी। दूसरी ओर शीर्ष पर काबिज गुजरात टाइटंस को कम स्कोर वाले मैच में हराने वाली दिल्ली उसी प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी। तीन सप्ताह बाद लौटे तेज गेंदबाज खलील अहमद और अनुभवी ईशांत शर्मा दिल्ली की जीत के सूत्रधार रहे और उसे स्पर्धा में बनाये रखा है। इस तरह की जीत के बाद किसी भी टीम का मनोबल ऊंचा होगा लेकिन दिल्ली के बल्लेबाजों को भी अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा।

पिछले मैच के बाद कप्तान डेविड वॉर्नर अपने बल्लेबाजों से काफी मायूस नजर आये। भारतीय बल्लेबाजों ने खास तौर पर निराश किया है हालांकि अमन हकीम खान और रिपल पटेल ने आखिर में संघर्ष किया लेकिन वह नाकाफी था। फिल सॉल्ट के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही है जबकि वॉर्नर पिछले तीन मैचों में रन नहीं बना सके हैं। बल्लेबाजी में पूरी टीम एक ईकाई के तौर पर नाकाम रही है। तीसरे नंबर पर प्रियम गर्ग नहीं चल सके हैं जबकि मनीष पांडे चिर परिचित अंदाज में खेल नहीं पा रहे। अक्षर पटेल ने गुजरात के खिलाफ छठे नंबर पर बल्लेबाजी की जिन्हें ऊपर उतारा जाना चाहिये। इस मैच में विराट कोहली के खेलने से

स्टेडियम खचाखच भरा रहने की उम्मीद है। उन्होंने बृहस्पतिवार को नेट पर लंबा अभ्यास किया और उसके बाद अपने नाम से बने पवेलियन में चले गए। लखनऊ के खिलाफ मिली जीत के बाद गौतम गंभीर से हुई झड़प को भुलाकर वह बेहतरीन पारी खेलना चाहेंगे।

कुछ समय पहले तक कमेंट्री कर रहे केदार जाधव को आरसीबी के मुख्य कोच संजय बांगड़ ने टूर्नामेंट के बीच में खेलने का मौका दिया है। उन्हें मध्यक्रम को मजबूती देने के लिये रखा गया है। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज और जोश हेजलवुड ने लखनऊ में अच्छा प्रदर्शन किया। स्पिनर कर्ण शर्मा ओर वानिंदु हसरंगा से भी ऐसी ही उम्मीद होगी।

टीमें : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोरः फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, आकाश दीप, फिन एलेन, अनुज रावत, अविनाश सिंह, मनोज भांडगे, माइकल ब्रेसवेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, सिद्धार्थ कौल, महिपाल लोमरोर, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, वेन पार्नेल, हर्षल पटेल, सुयश प्रभुदेसाई, राजन कुमार, शाहबाज अहमद, कर्ण शर्मा, हिमांशु शर्मा, सोनू यादव, विजयकुमार वैशाक और डेविड विली। दिल्ली कैपिटल्सः डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी साव, सरफराज खान, अमन हकीम खान, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, खलील अहमद, कुलदीप यादव, रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, एनरिक नोर्किया, मुस्तफिजुर रहमान, चेतन सकारिया, मुकेश कुमार, फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, प्रवीण दुबे, ललित यादव, रिपल पटेल, विक्की ओस्तवाल, ईशांत शर्मा, मनीष पांडे, कमलेश नागरकोटी और यश धुल। समयः मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

आरसीबी के लिए खेलने के प्रस्ताव के साथ बांगड़ के फोन कॉल ने चौंका दिया थाः जाधव

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में कमेंट्री कर रहे पूर्व भारतीय बल्लेबाज केदार जाधव को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के लिए मौजूदा सत्र में खेलने के कोच संजय बांगड़ के फोन ने आश्चर्यचकित कर दिया था। जाधव कमेंट्री करने के साथ अपनी फिटनेस का पूरा ख्याल रख रहे थे इसलिए उन्होंने इस प्रस्ताव पर हामी भरने में देरी नहीं की। इस 38 साल के बल्लेबाज ने रणजी ट्रॉफी सत्र में महाराष्ट्र के लिए अच्छी बल्लेबाजी (283 रन) की।भारत के इस पूर्व बल्लेबाज ने बांगड़ के फोन कॉल को याद करते हुए कहा, '' मैं बिल्कुल चौंक गया था। लेकिन यह सुखद था।'' उन्होंने टीम से जारी विज्ञप्ति में कहा, ''मैं कमेंट्री कर रहा था और संजय भाई ने मुझे फोन करके पूछा कि मैं क्या कर रहा हूं। मैंने उनसे कहा कि मैं कमेंट्री कर रहा हूं। उन्होंने पूछा कि क्या मैं अभी भी अभ्यास कर रहा हूं और मैंने सकारात्मक उत्तर दिया - सप्ताह में दो बार।'' उन्होंने कहा, '' बांगड़ ने फिर मुझसे मेरी फिटनेस के बारे में पूछा, जिस पर मैंने कहा कि मैं नियमित रूप से जिम जाता हूं और अपने होटल में भी इसका इस्तेमाल करता हूं। मैंने संक्षेप में उनसे कहा कि मैं अच्छी स्थिति में हूं।'' जाधव ने बताया, '' बांगड़ ने इसके बाद कहा कि मुझे थोड़ा समय दो मैं फिर से कॉल करूंगा। उनकी इस बात पर मुझे एहसास हो गया था कि वह फोन कर के मुझे आरसीबी के लिए खेलने के लिए कहेंगे।'' जाधव ने 2010 में आईपीएल में पदार्पण किया और अब तक 93 मैचों में 1196 रन बना चुके हैं। वह आरसीबी के लिये 2016 और 2017 में 17 मैच मैचों में 23.92 की औसत और 142.66 के स्ट्राइक रेट से 311 रन बना चुके है। आरसीबी अपना अगला मैच शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेगी।

सनराइजर्स के कोच लारा ने कहा- केकेआर ने हमें नहीं हराया, हम हारे

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच ब्रायन लारा ने आईपीएल के मौजूदा सत्र में छठी हार के लिये अपने बल्लेबाजों को कसूरवार ठहराते हुए कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें नहीं हराया बल्कि वह खुद हारे। जीत के लिये 172 रन के लक्ष्य के जवाब में सनराइजर्स पांच रन से मुकाबला हार गए। अब वह दस टीमों में नौवें स्थान पर है जबकि केकेआर आठवें स्थान पर है। लारा ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' हमने पावरप्ले में विकेट गंवाये जिससे उबर ही नहीं सके। हमने हेनरिच क्लासेन को पारी संभालने के लिये कहा। वह छठे नंबर पर उतरता है और उससे पहले पांच बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

पहलवानों का विरोध पर बोले गांगुली, मैं वास्तव में नहीं जानता वहां क्या हो रहा है, उन्हें अपनी लड़ाई लड़ने दें

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे पहलवानों के धरने को लेकर कई दिग्गज खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। यहां तक कि देश के कई वरिष्ठ खिलाड़ी उनके समर्थन में खड़े हैं। इन सब के बीच पहलवानों के विरोध प्रदर्शन पर पूर्व बीसीसीआई प्रमुख और पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली का भी बयान सामने आया है। सौरव गांगुली ने अपने बयान में कहा कि मैं वास्तव में नहीं जानता कि वहां क्या हो रहा है, मैंने अभी समाचार पत्रों में पढ़ा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी लड़ाई लड़ने दें। मुझे खेल जगत में एक बात समझ में आई कि आप उन चीजों के बारे में बात नहीं करते जिनके बारे में आपको पूरी जानकारी नहीं है। गांगुली ने आगे कहा कि मुझे आशा है कि यह हल हो जाएगा। पहलवान देश के लिए बहुत सारी प्रशंसा लाते हैं और उम्मीद है कि यह हल हो जाएगा। कई राजनीतिक दल के नेता पहलवानों के साथ खड़े हैं। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने तुरंत कार्रवाई की मांग की। खिलाड़ियों में चोपड़ा के अलावा मुक्केबाज निकहत जरीन, टेनिस स्टार सानिया मिर्जा, हॉकी स्टार रानी रामपाल, क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह, इरफान पठान और मदन लाल ने भी पहलवानों का समर्थन किया है। डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न और डराने-धमकाने का आरोप लगाने वाले पहलवान 23 अप्रैल को अपना आंदोलन दोबारा से शुरू किया था। इसके बाद से यह पूरी तरह से जारी है। खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में धरने पर बैठे पहलवानों की सारी मांगे मान ली गई हैं और उन्हें दिल्ली पुलिस को निष्पक्ष जांच पूरी करने देना चाहिये। ठाकुर ने यहां पत्रकारों से कहा ,'' मैं प्रदर्शन कर रहे सभी खिलाड़ियों से अनुरोध करता हूं कि उनकी मांगे मान ली गई है। अदालत ने भी निर्देश दे दिये हैं और उन्हें निष्पक्ष जांच पूरी होने देना चाहिये।'' उन्होंने कहा ,'' दिल्ली पुलिस दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी और कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जायेगी।'' भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच कर रही समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग को लेकर कई पहलवान जंतर मंतर पर 23 अप्रैल से धरने पर बैठे हैं।

मुम्बई बनाम चेन्नई के लिए तैयार हुए फैंस, पिछले मुकाबले का बदला लेगी रोहित की ब्रिगेड

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में शनिवार को डबल हेडर एक बार फिर से जबरदस्त होने वाला है। आईपीएल 2023 का 49वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच में होगा। चेन्नई के होम ग्राउंड एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले में दोनों ही टीमें एक बार फिर से आमने सामने होंगी। इस मुकाबले में दोनों ही टीमें अपनी शानदार परफॉर्मेंस से मैदान पर उतरकर जीत हासिल करना चाहेगी।

एक तरफ बीते तीन मैचों में चेन्नई की टीम का काफी बुरा हाल रहा है और वो सिर्फ एक ही अंक हासिल कर सकी है क्योंकि टीम का पिछला मुकाबला बारिश में धुल गया था। ऐसे में धोनी के धुरंधर शनिवार को मुंबई इंडियंस को हराकर जीत की राह पर लौटना चाहेंगे। हालांकि मुंबई के हौसले बुलंद है और यह उसका पसंदीदा मैदान भी है। पांच बार की चैम्पियन मुंबई ने एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर पिछले दो मुकाबले जीते हैं। मुंबई ने चेन्नई को उसी के घर में 2019 में हराया था। अब लगभग चार वर्षों के लंबे अंतराल के बाद पांच बार की विजेता और चार बार की विजेता टीमें आमने सामने होंगी। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें है।

बता दें कि महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई सुपर किंग्स का पिछला मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ लखनऊ के होम ग्राउंड में होना था। ये मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था जिस कारण दोनों ही टीमों में एक-एक अंक बंट गया था। हालांकि इससे पहले खेले गए दो मुकाबलों में चेन्नई की टीम को हार का सामना करना पड़ा था। बेहद ही रोमांचक मुकाबले में 30 अप्रैल को खेले गए मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को अंतिम गेंद पर मात खानी पड़ी थी। अंतिम मकुाबले में मात खाने के बाद चेन्नई की टीम अपने होम ग्राउंड पर फैंस को निराश नहीं करना चाहेगी।

डेवोन कोंवे (414 रन) और

रूतुराज गायकवाड़ (354 रन) ने टीम को अच्छी शुरूआत दी है लेकिन मध्यक्रम उसका फायदा नहीं उठा सका। अनुभवी अजिंक्य रहाणे और युवा शिवम दुबे ने रन बनाये हैं लेकिन अंबाती रायुडू और मोईन अली का बल्ला कमोबेश खामोश ही रहा है।

गौरतलब है कि महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे उतर रहे है मगर वो अंतिम में आने पर भी धमाकेदार शॉट्स खेल रहे है। वहीं उनके प्रशंसक इस बात पर हैरान हैं कि वह खराब फॉर्म से जूझ रहे रायुडू और रविंद्र जडेजा को अपने से पहले बल्लेबाजी के लिये क्यो भेज रहे हैं। चेन्नई ने रहाणे की शानदार बल्लेबाजी के दम पर पहले मैच में मुंबई को हराया था और रहाणे एक बार फिर उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे। दीपक चाहर की वापसी से गेंदबाजी मजबूत हुई है लेकिन तुषार देशपांडे (17 विकेट , इकॉनामी रेट 12.11) ने काफी रन दिये हैं। जडेजा ने गेंदबाजी अच्छी की है लेकिन बल्ले से कोई कमाल नहीं कर सके। हरफनमौला मिशेल सेंटनेर को उतारने की बात हो रही है लेकिन देखना यह होगा कि वह मोईन या महीश तीक्षणा की जगह ले सकते हैं या नहीं। उधर धीमी शुरूआत के बाद मुंबई इंडियंस ने लय हासिल कर ली है और बड़े लक्ष्य का पीछा करने में कामयाब हो रही है। विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने मे हालांकि गेंदबाजों के नाकाम रहने से कप्तान रोहित शर्मा की परेशानी बढी है। अनुभवी जोफ्रा आर्चर विकेट लेने में नाकाम रहे हैं। मुंबई टीम प्रबंधन सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन के फॉर्म में लौटने से खुश होगा।टिम डेविड और तिलक वर्मा ने फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाई है। **ये हैं दोनों की टीमें : मुंबई इंडियंसः** रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, डेवाल्ड ब्रेविस, तिलक वर्मा, इशान किशन (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, विष्णु विनोद, कैमरन ग्रीन, अर्जुन तेंदुलकर, रमनदीप सिंह, शम्स मुलानी, रिले मेरेडिथ, नेहल वढेरा, ऋतिक शौकीन, अरशद खान, डुआन जानसेन, पीयूष चावला, कुमार कार्तिकेय, राघव गोयल, जोफ्रा आर्चर, जेसन बेहरेनडॉर्फ, आकाश मधवाल। **चेन्नई सुपर किंग्सः** एमएस धोनी (कप्तान), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायडू, सुभ्रांशु सेनापति, मोईन अली, शिवम दूबे, राजवर्धन हैंगरगेकर, ड्वेन प्रिटोरियस, मिचेल सेंटनर, रविंद्र जडेजा, तुषार देशपांडे, मथीषा पथिराना, सिमरजीत सिंह, दीपक चाहर, प्रशांत सोलंकी, महेश तीक्ष्णा, अजिंक्य रहाणे, बेन स्टोक्स, शेख रशीद, निशांत सिंधु, सिसंडा मगाला, अजय मंडल, भगत वर्मा, आकाश सिंह। मैच का समय : दोपहर 3.30 से।

सम्पादकीय

यौन शोषण का आरोप

देश के टॉप मेडल विनर पहलवान एक बार फिर जंतर मंतर पर बैठ गए हैं। रविवार रात उन्होंने वहीं बिताई और उनका कहना है कि जब तक उनकी शिकायत पर उपयुक्त कार्रवाई नहीं होती वह धरने पर बैठे रहेंगे। यह स्थिति वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है। खासकर इसलिए कि पहलवानों ने कोई पहली बार अपनी मांग नहीं रखी है। तीन महीने पहले भी वे धरने पर बैठे थे। उनकी शिकायत भी कोई मामूली नहीं है। भारतीय कुश्ती महासंघ और उसके अध्यक्ष के खिलाफ यौनशोषण का आरोप ऐसा नहीं हो सकता, जिसे नजरअंदाज कर दिया जाए। हैरत की बात यह है कि तब इन पहलवानों को पूरे मामले की जांच-पड़ताल के बाद मुनासिब कार्रवाई का जो आश्वासन दिया गया था, वह किसी अंजाम तक पहुंचता नहीं दिख रहा। हालांकि जानी-मानी बॉक्सर मैरी कोम की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी। कहा जा रहा है कि उस समिति ने इसी महीने के पहले हफ्ते में अपनी रिपोर्ट भी सौंप दी थी, लेकिन उस बारे में कोई औपचारिक सूचना उपलब्ध नहीं है। अगर सचमुच यह रिपोर्ट आ गई है तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? चूंकि इस मामले में आरोप सार्वजनिक तौर पर लगाए गए हैं, इसलिए गोपनीयता बरतने का कोई मतलब नहीं बनता। देशवासियों के सामने उन पहलवानों और महिला पहलवानों ने आकर शिकायत की, जो देश का गौरव हैं। चाहे कुश्ती महासंघ हो या खेल मंत्रालय, वे समय पर इनकी शिकायत सुनने और उनका हल निकालने में नाकाम रहे। तभी ये पहलवान जंतर-मंतर पर धरना देने को विवश हुए। इसलिए अब दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए। अगर इन पहलवानों की शिकायत गलत पाई गई तो वह बात भी सार्वजनिक की जानी चाहिए। लेकिन अगर उनकी शिकायत सही है तो दोषी व्यक्तियों के खिलाफ बिना देर किए कार्रवाई होनी चाहिए। चूंकि ऐसा होता नहीं दिख रहा, इसलिए खेल मंत्रालय समेत देश का पूरा खेल ढांचा संदेह के घेरे में आ रहा है। और, अब तो एक नाबालिग समेत सात महिला पहलवानों ने पुलिस में भी शिकायत दर्ज करा दी है। हालांकि शिकायत मिल जाने के बाद भी पुलिस ने ईंध दर्ज नहीं की और इसके लिए भी पहलवानों को अदालत का रुख करना पड़ा। समझना चाहिए कि यह किसी खेल संगठन या उसके पदाधिकारियों से ही जुड़ा मसला नहीं है। इससे यह सवाल भी जुड़ा है कि हम खिलाड़ियों के साथ किस तरह का व्यवहार करते हैं? उनकी शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हैं? दुनिया में देश का मान बढ़ाने वाले इन खिलाड़ियों को इंसाफ पाने के लिए बार-बार ऐसे सड़क पर उतरना पड़े, यह सरकार और प्रशासन के लिए कोई अच्छी बात नहीं है।

वक़्त जो थम सा गया है

कुछ लफ़्ज़ उठे थे मन में, सोचा बयान कर दूँ ।
क्या पता था की वक़्त थम सा जाएगा।

कुछ बातें थी दिल में, सोचा उन तक पहुँचा दूँ ।
क्या पता था हमें की यह वक़्त उस तक पहुँचने ना देगा ।

कुछ प्रश्न थे इस विचलित स्वभाव में, सोचा जवाब ढूँढ लूँ ।
क्या पता था हमें की यह वक़्त वह जवाब ना दिलवाएगा ।

कुछ समय बिताने की ज़िद्द थी उनके साथ, सोचा था एक चाय साथ पी लूँ ।
क्या पता था हमें की यह वक़्त वह चाय भी ना नसीब करवाएगा ।

कुछ उलझी सी ये कहानी है, सोचा था समय के साथ सुलझाऊँगा।
क्या पता था हमें यह वक़्त थम सा जाएगा ।

- कलम-ए-अनंत

अनंत चंद्र
प्रभारी आई टी सेल' स्टार्टअप
बिज़नेस हेड - वेंचुरा ट्रांसमेटलस प्राइवेट लिमिटेड

अनुच्छेद 370 हटने के बाद भारत में निवेश का नया केंद्र बनता जा रहा है जम्मू-कश्मीर

ऐसा कहा जाता है कि जम्मू एवं कश्मीर में धारा 370 लागू करना तत्कालीन नेहरू सरकार की सबसे बड़ी राजनैतिक भूल थी, क्योंकि इसके कारण जम्मू एवं कश्मीर के नागरिकों का अत्यधिक नुक्सान हुआ है। दरअसल पूरे देश में नागरिकों के हितार्थ भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं का लाभ धारा 370 के कारण जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के नागरिकों को नहीं मिल पा रहा था। साथ ही, इन क्षेत्रों का विकास भी नहीं हो पा रहा था क्योंकि अत्यधिक आतंकवाद के कारण इस क्षेत्र में कोई भी उद्योगपति अपना निवेश करने को तैयार ही नहीं होता था।

धारा 370 को लागू करने के कारण जम्मू एवं कश्मीर के नागरिकों को आर्थिक नुकसान के अलावा राजनैतिक, सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों में पूरे भारत को ही भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। केंद्र सरकार को रक्षा, विदेश एवं संचार जैसे कुछ क्षेत्रों को छोड़कर शेष समस्त क्षेत्रों के लिए भारत सरकार के कानून जम्मू-कश्मीर में लागू करने के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेना आवश्यक होता था। अतः भारत सरकार के कानून जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं होते थे। इसका परिणाम यह निकलता था कि भारत के अन्य राज्यों से कोई भी भारतीय नागरिक जम्मू-कश्मीर की सीमा के अंदर जमीन या सम्पत्ति नहीं खरीद सकता था। जम्मू-कश्मीर के लिए भारतीय तिरंगा के अलावा एक अलग राष्ट्रीय ध्वज भी होता था, इसलिए वहां के नागरिकों द्वारा भारतीय तिरंगा के सम्मान नहीं करने पर उन पर कोई अपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता था। यहां तक कि जम्मू और कश्मीर के सम्बंध में भारत की सुप्रीम कोर्ट द्वारा यदि कोई आदेश दिया जाता था, तो वहां के लिए यह जरूरी नहीं है कि वे इसका पालन करें। जम्मू और कश्मीर की कोई महिला यदि भारत के किसी अन्य राज्य के किसी व्यक्ति से शादी कर लेती थी, तो उस महिला से उसके कश्मीरी होने का अधिकार छिन जाता था। इसके विपरीत यदि कोई कश्मीरी महिला पाकिस्तान में रहने वाले किसी व्यक्ति से निकाह करती थी, तो उसकी कश्मीरी नागरिकता पर कोई असर नहीं होता था। साथ ही, कोई पाकिस्तानी नागरिक यदि कश्मीरी लड़की से शादी करता था और फिर कश्मीर में आकर रहने लगता था तो उस व्यक्ति को भारतीय नागरिकता भी प्राप्त हो जाती थी। यह किस प्रकार के नियम बनाए गए थे जिनके अनुसार एक भारतीय नागरिक जम्मू कश्मीर में नहीं बस सकता था परंतु एक पाकिस्तानी नागरिक यहां बस सकता था और आतंकवाद फैला सकता था।

कुल मिलाकर धारा 370 के चलते, जम्मू एवं कश्मीर के नागरिकों को लाभ के स्थान पर नुकसान ही अधिक उठाना पड़ा है। परंतु, केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद इस क्षेत्र के नागरिकों को देश में लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने, इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने एवं आतंकवाद को समूल नष्ट करने के उद्देश्य से दिनांक 5 अगस्त 2019 को भारत सरकार ने जम्मू एवं कश्मीर को खास दर्जा देने वाली धारा 370 को कानूनी रूप से खत्म कर दिया था। केंद्र सरकार का यह फैसला सचमुच में बहुत दूरदर्शी

साबित हुआ है क्योंकि धारा 370 को हटाए जाने के बाद से जम्मू एवं कश्मीर में कई बदलाव दृष्टिगोचर हैं। अब केंद्र के समस्त कानूनों एवं अन्य कई आर्थिक योजनाओं को वहां लागू कर दिया गया है इससे आम नागरिकों को बहुत सुविधा एवं लाभ हुआ है। आतंकी घटनाओं में भारी कमी आई है। आतंकवादियों की कमर तोड़ दी गई है। हजारों की संख्या में स्थानीय नागरिकों को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। देश का यह सबसे खूबसूरत भाग धारा 370 को लागू करने के बाद से पूरी तरह से भारत से जुड़ नहीं पाया था परंतु अब धारा 370 हटाए जाने के बाद यह क्षेत्र भी सही अर्थों में भारत के साथ जुड़ गया है।

धारा 370 को हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर में जिस तरह आधारभूत संरचना का विकास हो रहा है, कनेक्टिविटी बढ़ रही है, उससे राज्य में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार हुआ है और कैलेंडर वर्ष 2022 में रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 26 लाख से अधिक पर्यटक वहां पहुंचे हैं। भारत के राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से वर्ष 2019 तक जम्मू-कश्मीर में तकरीबन 14,700 करोड़ रुपए का निवेश हो पाया था, जबकि पिछले केवल 3 वर्षों में यह चार गुना बढ़कर 56,000 करोड़ रुपए से अधिक का हो गया है। स्वास्थ्य से जुड़ी आधारभूत संरचना का भी तेजी से विकास हो रहा है। 2 नए एम्स, 7 नए मेडिकल कॉलेज, 2 स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट और 15 नर्सिंग कॉलेज खुलने जा रहे हैं। इस सबसे स्थानीय नागरिकों के लिए रोजगार के नए अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है।

हाल ही में पिछले दिनों श्रीनगर के सेमपोरा में विदेशी निवेश से निर्मित होने वाले 250 करोड़ रुपये की लागत के एक मॉल की आधारशिला उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रखी। यह जम्मू एवं कश्मीर में विदेशी पूंजी से बनने वाला प्रदेश का पहला मॉल होगा, जिसे 2026 तक पूरा किए जाने की सम्भावना है। दुबई का एम्मार समूह इसका निर्माण कर रहा है। इसके अलावा जम्मू और श्रीनगर में डेढ़ सौ-डेढ़ सौ करोड़ रुपये की लागत वाले एक-एक आईटी टावर का विनिर्माण भी एम्मार समूह कर रहा है। यह इसका प्रमाण है कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद की बदली परिस्थितियों में जम्मू-कश्मीर में भी विदेशी निवेश आ रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के मुताबिक, नई औद्योगिक नीति आने के 22 महीनों में 5,000 से अधिक देसी व विदेशी कंपनियों के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। साथ ही, उपराज्यपाल ने इस अवसर पर यह घोषणा भी की कि निवेश संबंधी प्रस्ताव आने के 15 दिन के अंदर जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। देश के किसी भी प्रदेश में ऐसी घोषणा शायद ही पूर्व में की गई हो।

जम्मू एवं कश्मीर की अर्थव्यवस्था अभी तक कृषि और पर्यटन पर ही आधारित रही है। आतंकवाद के चलते राज्य में औद्योगिक विकास के बारे में तो कल्पना करना ही सम्भव नहीं था। परंतु अब विभिन्न कंपनियां पैकेजिंग, कोल्ड स्टोरेज, रसद, खाद्य प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल, चिकित्सा, पर्यटन और शिक्षा आदि क्षेत्र में भी अपनी रुचि दिखा रही हैं और निवेश कर रही हैं।

यह सच है कि जम्मू एवं कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के बाद से स्थानीय नागरिकों में उत्साह के माहौल ने अपनी जगह बना ली है, जो कि पहले आतंकवाद के माहौल में रहने को मजबूर थे। इस क्षेत्र में नित नए उद्योग आरंभ हो रहे हैं। यह प्रदेश के बदलते आर्थिक, वित्तीय व कारोबारी स्थिति का ही प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुल 38,000 करोड़ रुपए लागत की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। जम्मू एवं कश्मीर राज्य के लिए अगले कुछ वर्षों में कुल 75,000 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही, जम्मू एवं कश्मीर में जी-20 समूह की बैठक का आयोजन, भारत की अध्यक्षता में, किया जा रहा है। इस बैठक में विकसित देशों सहित विभिन्न देशों के उच्चस्तरीय नेता एवं अधिकारी भाग लेंगे। वस्तुतः जम्मू कश्मीर को लेकर केंद्र सरकार पूर्व की सभी सरकारों से अलग दृष्टिकोण से काम कर रही है। आर्थिक गतिविधियों द्वारा प्रदेश का माहौल बदलना इनमें प्रमुख है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में जम्मू एवं कश्मीर भी देश के अन्य राज्यों के समानांतर आर्थिक विकास की पटरी पर दौड़ता दिखाई देगा।

बेटियों को प्रोत्साहित करती है शिवराज सरकार

मध्यप्रदेश में बेटियों को लेकर एक सकारात्मक एवं भावनात्मक वातावरण बन गया है। आज मध्यप्रदेश की बेटियां खूब पढ़ रही हैं और आगे बढ़ रही हैं। प्रत्येक कार्यक्षेत्र में भी अपना योगदान दे रही हैं। खेल के मैदान हों, या जोखिम भरी एवरेस्ट की चढ़ाई, बेटियों के कदमों को अब रोका नहीं जाता अपितु उन्हें आगे बढ़ाने के लिए सब सहयोगी की भूमिका में हैं। लड़ाकू विमान उड़ाने वाली पहली महिला फाइटर पायलट में भी मध्यप्रदेश की बेटी का नाम शामिल है। बेटियां अपने पग से जल, थल, नभ को नाप रही हैं। मध्यप्रदेश में यह बदलाव अचानक नहीं आया है। बेटियों के लिए बना यह वातावरण 'संकल्प से सिद्धि' का उदाहरण है। बेटियों के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक संकल्प लिया कि वे बेटियों को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण बनाएंगे। इसके लिए उनकी पहल पर 16 वर्ष पूर्व 1 अप्रैल 2007 को मध्यप्रदेश सरकार ने 'लाडली लक्ष्मी योजना' शुरू की। स्वयं को प्रदेश की बेटियों का 'मामा' घोषित करके 'बेटी बचाओ' का नारा दिया। मुख्यमंत्री का यह विचार इतना शक्तिशाली एवं प्रभावशाली था कि लोकप्रिय राजनेता नरेन्द्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने इस नारे को राष्ट्र का नारा बना दिया और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का आह्वान किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की सरकार यहीं नहीं रुकी, अपितु बेटियों को संरक्षण और संबल देने के लिए प्रयास अनेक स्तर पर किए गए। इस सबमें अधिक महत्वपूर्ण है कि उन्होंने इस मुद्दे पर जनता से सीधे और लगातार संवाद किया। जब एक जनप्रिय राजनेता नागरिक समाज से कोई आग्रह करता है, तब उसका सुफल परिणाम आने की संभावनाएं अधिक होती हैं।

शिवराज सरकार जब 2 मई से प्रदेश में लाडली लक्ष्मी उत्सव मनाएगी, तब इसकी पृष्ठभूमि को अवश्य देखा जाना चाहिए। पृष्ठभूमि में जाये बिना हम लाडली लक्ष्मी उत्सव के महत्व को नहीं समझ पाएंगे। मध्यप्रदेश की मातृशक्ति ने वह दौर भी देखा है, जब बेटी पैदा होने पर उदासी छा जाती थी। इस

नकारात्मक वातावरण का असर कन्या के जन्म से लेकर उसके विवाह तक की व्यवस्था पर रहता था। कन्या भ्रूण हत्या के रूप में एक जघन्य अपराध ने हमारे समाज में घर कर लिया था। इसके कारण मध्यप्रदेश में लिंगानुपात बढ़ता जा रहा था। प्रदेश में वर्ष 2001 में लिंगानुपात प्रति हजार लड़कों पर 919 लड़कियां था। यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत से भी कम था। कन्या भ्रूण हत्याओं को रोकने के लिए सरकार ने कठोर कानून तक बनाए लेकिन उसके बाद भी बेटियों के प्रति वातावरण में कोई सकारात्मक परिवर्तन नहीं आया। क्योंकि इस प्रकार की सामाजिक समस्या का समाधान समाज को साथ लिए बिना नहीं आ सकता। इस प्रकार के मामलों में कानूनी प्रावधानों के साथ ही समाज को जागरूक करना, उसके नैतिक बोध को जगाना और उसकी दृष्टि को बदलना आवश्यक होता है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले 16-17 वर्षों में यही किया। उन्होंने शासन के स्तर पर भी और समाज के बीच भी स्त्री सशक्तिकरण के अभियान को गति दी। अपने घर पर प्रतिवर्ष कन्यापूजन करके उन्होंने सामाजिक संदेश दिया कि हमारे यहाँ बेटियों का स्थान देवतुल्य है। जिस घर में स्त्री का सम्मान नहीं, वहाँ खुशहाली नहीं आ सकती। इसलिए बेटियों का सम्मान करें। उसके बाद उन्होंने देखा कि समाज में बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है, जो आर्थिक रूप से कमजोर है इसलिए उसे बेटियां बोझ लगती हैं। मुख्यमंत्री ने लाडली लक्ष्मी योजना की नींव रखकर बेटियों को आर्थिक रूप से ताकत देने का काम किया। इस योजना के अंतर्गत शिवराज सरकार अभिभावक की तरह बेटियों की पढ़ाई एवं उसके लालन-पालन की चिंता करती है। इसके अतिरिक्त शिवराज सरकार ने बेटियों को साइकिल/स्कूटी, छात्रवृत्ति, आवश्यक सुविधाएं देकर भी प्रोत्साहित किया। कन्या विवाह योजना के अंतर्गत भी सरकार बेटियों का सहयोग करती है। इस तरह अनेक प्रयासों से शिवराज सरकार ने बेटियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का काम किया है। बालिकाओं के सशक्तीकरण के अंतर्गत लिंगानुपात में सुधार, बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास, बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर के उन्नयन और स्वास्थ्य में सुधार के लक्ष्य लेकर शुरू की गई 'लाडली लक्ष्मी योजना' बहुत हद तक अपने उद्देश्य में सफल रही है। अभी हाल ही में शिवराज सरकार ने इस योजना को विस्तार देते हुए 'लाडली लक्ष्मी योजना 2.0' शुरू की है। विश्वास है कि मध्यप्रदेश में बेटियों के लिए तैयार किया गया यह उत्सवी वातावरण और अधिक आनंद देने वाला होगा। हमारे प्रदेश की बेटियां खुले आसमान में उड़ेंगी, मैदानों में दौड़ेंगी, पर्वतों को विजय करेंगी, कला-संस्कृति के क्षेत्र में नये वितान रचेंगी और स्वर्णिम मध्यप्रदेश के निर्माण में अपना योगदान देंगी।

जीएसटी संग्रहण के ताजा आंकड़े दर्शाते हैं कि अर्थव्यवस्था को उबारने के प्रयास सफल रहे हैं

भारत में वित्तीय वर्ष 2023-24 की शुरुआत ही अप्रैल 2023 माह से हुई है एवं नए वित्तीय वर्ष के प्रथम माह में ही अर्थात अप्रैल 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 187,035 करोड़ रुपए का रहा है और यह एक नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। पूर्व में अप्रैल 2022 माह में यह 167,540 करोड़ रुपए का रहा था, जो उस समय पर एक नया रिकॉर्ड स्तर बना था। अप्रैल 2023 माह में यह अप्रैल 2022 माह की तुलना में 19,495 करोड़ रुपए अधिक रहा है एवं 11.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 160,172 करोड़ रुपए का रहा था एवं वर्ष 2022-23 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण का मासिक औसत 1.51 लाख करोड़ रुपए रहा था।

इसी प्रकार, अप्रैल 2023 माह में ही यूपीआई व्यवहारों ने भी अभी तक के एक नए रिकॉर्ड स्तर को छुआ है, जो 14.07 लाख करोड़ रुपए के 890 करोड़ व्यवहारों के साथ अभी तक के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। साथ ही, फास्टटैग व्यवहार भी अप्रैल 2023 माह में 5149 करोड़ रुपए के 30,50,000 व्यवहारों के साथ अभी तक के अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गए है। फास्टटैग व्यवहारों में अप्रैल 2023 माह में 15 प्रतिशत एवं राशि के संग्रहण में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे भारत में उत्पादों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने ले जाने को अत्यधिक तेज गति मिलती दिखाई दे रही है। इन व्यवहारों में वृद्धि देश में आर्थिक विकास की दर को और आगे ले जाने में मदद करेगी।

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में लगातार हो रही वृद्धि में कुछ राज्यों का योगदान निश्चित रूप से बहुत सराहनीय है एवं भारत में यह सहकारी संघवाद के उत्कृष्ट नमूने के रूप में दिखाई दे रहा है। अधिकतम कर राशि संग्रहण के मामले में प्रथम दस बड़े राज्यों में शामिल हैं, महाराष्ट्र (33,196 करोड़ रुपए), कर्नाटक (14,593 करोड़ रुपए), गुजरात (11,721), तमिलनाडु (11,559), उत्तर प्रदेश (10,320), हरियाणा (10,035), पश्चिम बंगाल (6,447), दिल्ली (6,320), तेलंगाना (5,622) एवं ओड़िशा (5,036)।

उक्त राज्यों में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात एवं तमिलनाडु ने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्थाओं को आगे आने वाले कुछ वर्षों में एक लाख करोड़ रुपए के सकल घरेलू उत्पाद के स्तर पर ले जाने के लक्ष्य निर्धारित किए हैं। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में हो रही वृद्धि के चलते इन राज्यों को उक्त लक्ष्य हासिल करने में निश्चित ही आसानी होगी।

उक्त दस बड़े राज्यों में से कुछ राज्यों सहित कुछ अन्य राज्यों ने अप्रेल 2022 की तुलना में अप्रैल 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल की है। अर्थात, इन राज्यों में आर्थिक विकास की गति तेज होती दिखाई दे रही है। ये राज्य हैं, उत्तर प्रदेश (21 प्रतिशत), हरियाणा (22 प्रतिशत), जम्मू एवं कश्मीर (44 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (28 प्रतिशत), महाराष्ट्र (21 प्रतिशत), कर्नाटक (23 प्रतिशत), गोवा (32 प्रतिशत) एवं लद्दाख (43 प्रतिशत)।

विशेष रूप से पिछले 9 वर्षों से भारत सरकार द्वारा उत्तर पूर्वी राज्यों के विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अब वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण के अप्रेल 2023 माह के आंकड़ों को देखकर यह कहा जा सकता है कि केंद्र सरकार के उक्त प्रयास सफल होते दिखाई दे रहे हैं क्योंकि इन राज्यों में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में माह अप्रेल 2022 की तुलना में माह अप्रैल 2023 में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। सिक्किम में 61 प्रतिशत, मिजोरम में 53 प्रतिशत, मणिपुर में 32 प्रतिशत, नागालैंड में 29 प्रतिशत, त्रिपुरा में 25 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 21 प्रतिशत, असम में 15 प्रतिशत एवं मेघालय में 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में अग्रणी रहे प्रथम 10 राज्यों में से 5 राज्यों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन की सरकार है एवं 6ठा राज्य ओडिशा भी समय-समय पर केंद्र सरकार की नीतियों का समर्थन करता दिखाई देता है। इसी प्रकार वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में अप्रैल 2023 माह के दौरान सबसे तेज वृद्धि दर्ज करने वाले 8 राज्यों में भी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन की सरकार अथवा केंद्र सरकार का सीधा शासन है। साथ ही उत्तर पूर्व के 8 राज्यों में से लगभग सभी राज्यों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन की अथवा केंद्र की समर्थित सरकार है। इस संदर्भ में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार यदि एक ही दल अथवा गठबंधन की हो तो (डबल इंजन की सरकार वाले राज्य) क्या वास्तव में देश के आर्थिक विकास को यह मॉडल गति देने में सहायक बनता प्रतीत हो रहा है, इस विषय पर विचार किए जाने की आज आवश्यकता है। हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत में प्रत्यक्ष कर संग्रहण 20.33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 19.68 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया था। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण भी 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 18.10 लाख करोड़ रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। देश के नागरिकों द्वारा करों की समय पर की जा रही अदायगी के कारण एवं केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा खर्चों पर नियंत्रण रखने के चलते भारत के कर्ज भी नियंत्रण में बने हुए हैं। इस संदर्भ में अन्य विकसित देशों की स्थिति भारत की तुलना में आज अधिक बिगड़ी हुई नजर आ रही है। अमेरिका पर 30 लाख 40 हज़ार करोड़ अमेरिकी डॉलर का कर्ज है, चीन पर 13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का, ब्रिटेन पर 9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का, फ्रान्स पर 7 लाख 32 हज़ार करोड़ अमेरिकी डॉलर का जबकि भारत पर केवल 62,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का कर्ज है, जो अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है। भारत में भारतीय नागरिकों के केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों को दिए जा रहे सहयोग के साथ ही देश में लागू की गई सफल आर्थिक नीतियों के चलते ही यह सम्भव हो पा रहा है।

रूस के प्रतिनिधि ने छीना झंडा, तुर्की में सबके सामने यूक्रेनी सांसद ने ऐसे सिखाया सबक

बीजिंग। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 14 महीने से जंग जारी है। अब दोनों देशों के रिश्तों में खटास इस कदर बढ़ चुकी है कि दोनों देशों के नागरिक एक दूसरे पर हमलावर हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें एक यूक्रेनी सांसद ओलेक्ज़ेंडर मारिकोव्स्की तुर्की की राजधानी अंकारा में एक सम्मेलन के दौरान रूस के प्रतिनिधि पर घूंसे बरसाते नजर आ रहे हैं। ये

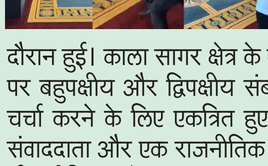

वीडियो यूक्रेन के पत्रकार जेसन जे स्मार्ट ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। कथित तौर पर यह घटना 4 मई को ब्लैक सी इकोनॉमिक कोऑपरेशन की संसदीय सभा की 61वीं महासभा के दौरान हुई। काला सागर क्षेत्र के देश आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक पर बहुपक्षीय और द्विपक्षीय संबंधों को विकसित करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हुए थे। ट्विटर पर कीव पोस्ट के विशेष संवाददाता और एक राजनीतिक सलाहकार जेसन जे स्मार्ट द्वारा पोस्ट की गई क्लिप को शुक्रवार सुबह तक 3 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। ईंग्व्दन्ब्ब ने क्लिप को अपने फेसबुक अकाउंट पर भी पोस्ट किया। न्यूजवीक ने भी मारिकोव्स्की के पोस्ट का हवाला देते हुए इस घटना की सूचना दी। बैठक के दौरान यूक्रेन के सांसद ओलेक्जेंडर मारिकोव्सकी यूक्रेन का राष्ट्रीय ध्वज लहराने लगे। वीडियो में दिख रहा है कि रूसी प्रतिनिधि ने यूक्रेनी सांसद ने हाथ से झंडा छीन लिया। इस बात से यूक्रेनी सांसद इतना नाराज हुए कि उन्होंने प्रोटोकॉल का लिहाज किए बिना रूसी प्रतिनिधि पर हमला बोल दिया।

मुरैना जिले में एक ही परिवार के छह सदस्यों की गोली मारकर हत्या, तीन घायल : पुलिस

मुरैना।मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के दिमनी विधानसभा क्षेत्र के एक गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक पक्ष के कुछ लोगों ने शुक्रवार को दूसरे पक्ष के, एक ही परिवार की तीन महिलाओं सहित छह लोगों की गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी और तीन अन्य को घायल कर दिया। यह जानकारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने दी। पुलिस महानिरीक्षक (चंबल जोन) एस सक्सेना ने फोन पर पीटीआई-को बताया कि गोली लगने के बाद तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन ने जिला

अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सक्सेना ने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से करीब 50 से 60 किलोमीटर दूर लेपा गांव में हुई और मारे गये तीन पुरुष और तीन महिलाएं एक ही परिवार के सदस्य थे। हत्या के कारणों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा ''ऐसा बताया जाता है कि मृतकों और आरोपियों के बीच पुरानी दुश्मनी थी।

अमित शाह ने रद्द किया कर्नाटक चुनाव प्रचार, स्थिति पर रख रहे पैनी नजर

मणिपुर। कुछ हिस्सों में हुई झड़पों के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। खबर के मुताबिक शाह मणिपुर में स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। राज्य में अधिकारियों के साथ मौजूदा स्थिति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में बैठकों पर भी नजर रख रहे हैं। गुरुवार को शाह ने अपनी सभी चुनावी सभाओं को रद्द कर दिया, और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कई बैठकें कीं और कानून और व्यवस्था की स्थिति पर पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी बात की।

अमित शाह ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से बातचीत की और वहां आदिवासी आंदोलन के दौरान भड़की हिंसा के बारे में जानकारी ली। केन्द्र मणिपुर के हालात पर करीब से नजर रख रहा है और उसने पूर्वोत्तर राज्य के हिंसा प्रभावित इलाकों में तैनाती के लिए त्वरित कार्य बल (आरएएफ) के दल भेजे हैं। इसके अलावा अमित शाह ने मणिपुर के पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री ने राज्य के शीर्ष अधिकारियों और केंद्रीय अधिकारियों के साथ वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठकें कर हालात की समीक्षा की। सूत्रों के मुताबिक, शाह ने नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से फोन पर बात की।

मणिपुर में आदिवासियों और बहुसंख्यक मेइती समुदाय के बीच हिंसा भड़कने के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बृहस्पतिवार को राज्य सरकार ने ''गंभीर स्थिति'' में देखते ही गोली मारने का आदेश जारी किया। वहीं, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना और असम राइफल्स के 55 'कॉलम' को तैनात किया गया है। हिंसा के कारण 9,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। नगा और कुकी आदिवासियों द्वारा 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किए जाने के बाद बुधवार को हिंसा भड़क गई, जिसने रात में और गंभीर रूप ले लिया। राज्य

की आबादी में 53 प्रतिशत हिस्सा वाले गैर-आदिवासी मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) के दर्जे की मांग के खिलाफ चुराचांदपुर जिले के तोरबंग इलाके में 'ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर' (एटीएसयूएम) द्वारा बुलाए गए 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के दौरान बुधवार को हिंसा भड़क गई थी।

केरल की कहानी की चर्चा कर पीएम मोदी ने कांग्रेस पर साधा निशाना, बोले-आतंकी प्रवृतिवालों से ये राजनीतिक सौदेबाजी कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक चुनाव को लेकर प्रचार लगातार जारी है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बल्लारी के म्युनिसिपल हाई स्कूल ग्राउंड में प्रचार करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर वोटबैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आजादी के बाद से ही कांग्रेस ने देश की व्यवस्थाओं के साथ ही देश की राजनीति को भी भ्रष्ट करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में कांग्रसे ने भारत की राजनीति में एक और बीमारी पैदा कर दी है। चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस पैसों के दम पर अपने इको सिस्टम के दम पर झूठे नैरेटिव गढ़ती है। कांग्रेस की कोशिश होती है कि ऐसा करके वे जनता को भ्रमित कर दें। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में ढेर

सारे झूठे वायदें है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र मतलब तालाबंदी और तुष्टिकरण का बंडल है। अब तो कांग्रेस की हालत इतनी बुरी है कि उनके पैर कांप रहे हैं और इसलिए कांग्रेस को मेरे जय बजरंग बली बोलने पर भी आपत्ति होने लगी है। मोदी ने कहा कि कर्नाटक को देश का नंबर वन राज्य बनाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था, लॉ एंड ऑर्डर सबसे प्रमुख आवश्यकता है। कर्नाटक का आतंकवाद से मुक्त रहना भी उतना ही जरूरी है। भाजपा हमेशा से आतंकवाद के खिलाफ कठोर रही है। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि जब भी आतंकवाद पर कार्रवाई होती है कांग्रेस के पेट में दर्द होने लगता है। मोदी ने द केरल स्टोरी फिल्म का जिक्र किया और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आकंती प्रवृतिवालों से ये राजनीतिक सौदेबाजी कर रहे।

मोदी ने कहा कि फिल्म केरला स्टोरी इन दिनों चर्चा में है। मेहनती, प्रतिभाशाली और बौद्धिक लोगों की खूबसूरत भूमि के लिए जाने जाने वाले राज्य केरल में कैसे आतंकवादी साजिशों को बढ़ावा दिया जा रहा है, इस फिल्म से पता चलता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वोट बैंक के डर की वजह से आज कांग्रेस आतंकवाद के खिलाफ एक शब्द बोलने की भी हिम्मत खो चुकी है। उन्होंने कहा कि वोट बैंक की इसी राजनीति की वजह से कांग्रेस ने आतंकवाद को पाला-पोषा और उसे पनाह दी। उन्होंने कहा कि मैं ये देख कर हैरान हूं कि अपनी वोट बैंक के खातिर कांग्रेस ने आतंकवाद के सामने घुटने टेक दिए हैं। ऐसी पार्टी क्या कभी भी कर्नाटक की रक्षा कर सकती है? आतंक के माहौल में यहां के उद्योग, घ्ऊ इंडस्ट्री, खेती, किसानी और गौरवमयी संस्कृति सब कुछ तबाह हो जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

धोखाधड़ी के मामले में शक्ति भोग के सीएमडी को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लयू) ने बृहस्पतिवार को शक्ति भोग फूड लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) को धोखाधड़ी के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार आरोपी की पहचान कृष्ण कुमार के रूप में की गई है। इसमें कहा गया है कि कुमार और कंपनी के अन्य आरोपी निदेशकों ने शिकायतकर्ता को कच्चे माल की खरीद के लिए 10 करोड़ रुपये के 'पोस्ट डेटेड'' चेक जारी किए थे, लेकिन चेक भुनाए नहीं जा सके क्योंकि कंपनी का खाता पहले ही 'ब्लॉक' कर दिया गया था। बयान के अनुसार, मामले में आगे जांच की जा रही है।

शादी समारोह से लौट रहे पांच लोगों की सड़क हादसे में मौत

बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच-लखनऊ राजमार्ग पर कैसरगंज थाना क्षेत्र के मदनी अस्पताल के पास एक टेंपो के सामने से आ रहे डंपर (बड़ा ट्रक) से टकरा जाने से उसमें सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसे में मारे गए पांचों लोग एक ही परिवार के थे और वे एक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हुजूरपुर थाना क्षेत्र के अहिरनपुरवा निवासी 15 लोग कैसरगंज थाना क्षेत्र के रुकनापुर गांव में बेटी का तिलक चढ़ाकर बृहस्पतिवार देर रात टेंपो से घर लौट रहे थे।

राजौरी में सुरक्षाबलों-आतंकियों के बीच मुठभेड़, 2 जवान शहीद, सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के कंडी इलाके में शुक्रवार सुबह दो से तीन आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ में दो जवान शहीद हो गए और एक अधिकारी सहित एक ट्रक पर घात लगाकर हमला किया था जिसमें कम से कम पांच सैनिक मारे गए थे और एक अन्य घायल हो गया था। भारतीय सेना ने बताया कि संयुक्त अभियान के दौरान, राजौरी के कंडी जंगल में,

चार अन्य घायल हुए है। सेना के अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादी उसी समूह से संबंधित हैं, जिसने 20 अप्रैल को सेना के आतंकवादियों ने जवाबी कार्रवाई में एक विस्फोटक उपकरण चलाया। एक अधिकारी सहित चार और सैनिकों के घायल हुए है। वहीं, दो जवान शहीद हुए हैं।

भारतीय सेना ने यह भी बताया कि आसपास से अतिरिक्त टीमों को मुठभेड़ स्थल के लिए निर्देशित किया गया है। घायल कर्मियों को उधमपुर के कमांड अस्पताल ले जाया गया है। शुरुआती खबरों के मुताबिक इलाके में आतंकियों का एक समूह फंसा हुआ है। आतंकी गुटों के हताहत होने की संभावना है। ऑपरेशन जारी है। एनकाउंटर ऑपरेशन अभी भी जारी है। इस बीच, गुरुवार को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के बिजभेरा इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिस कर्मी मामूली रूप से घायल हो गया था।

जापान में 6.2 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का कोई खतरा नहीं

तोक्यो। मध्य जापान के पास शुक्रवार को आए भूकंप के तेज झटकों के बाद अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर कोई नुकसान नहीं हुआ है और सुनामी का भी कोई खतरा नहीं है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के भूकंप सूचना केंद्र के अनुसार, जापान के होन्शू द्वीप के मध्य पश्चिमी तट के पास स्थित इशिकावा प्रान्त में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया था। जापानी अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के झटकों के कारण छोटी लहरें आ सकती हैं लेकिन सुनामी का कोई खतरा नहीं है। जापान दुनिया के सबसे भूकंप-संभावित देशों में से एक है।

किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक में प्रिंस हैरी को बुलाए जाने पर ट्रंप ने जताई हैरानी, बताया अपमानजनक

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और व्यवसायी डोनाल्ड ट्रम्प ने आश्चर्य व्यक्त किया है कि प्रिंस हैरी और मेघन मार्कल को बुक स्पेयर में किए गए दावों के बाद भी किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक में आमंत्रित किया गया। ट्रंप ने इसे बहुत अपमानजनक बताया। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति की तरफ से ये टिप्पणी हैरी द्वारा अपना संस्मरण स्पेयर जारी करने के बाद आई है, जिसमें शाही परिवार के बारे में धमाकेदार और रोमांचक खुलासे शामिल हैं। 45 वें अमेरिकी राष्ट्रपति ने हैरी के स्पेयर को 'भयानक' बताया और कहा कि वो हैरान हैं कि हैरी को 6 मई, 2023 को होने वाले समारोह में आमंत्रित किया गया है।

ट्रम्प ने मेघन का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि वो रानी के लिए बहुत अपमानजनक रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये युगल रानी के लिए इतना अपमानजनक कैसे हो सकते हैं? रानी एलिजाबेथ का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि वो अविश्वसनीय थी, दशकों तक उन्होंने कभी एक गलती नहीं की। मैं उनके द्वारा की गई गलती के बारे में सोच भी नहीं सकता, वह कभी भी विवादास्पद नहीं रही।

गौरतलब है कि डायना के छोटे बेटे प्रिंस हैरी अपनी पत्नी मेगन के साथ 9 जनवरी 2020 को शाही परिवार से अलग हो गए थे। प्रिंस हैरी ने अपनी किताब स्पेयर में कई धमाकेदार खुलासे किए थे। अपने संस्मरण के लीक हुए अंश में, ड्यूक ऑफ ससेक्स ने अपने परिवार के सदस्यों के बारे में कुछ चौंकाने वाले बयान दिए, विशेष रूप से अपने भाई प्रिंस विलियम और भाभी केट मिडलटन के बारे में।

कर्नाटकः विवाद के बीच डीके शिवकुमार ने हनुमान मंदिर का किया वादा, अनुराग ठाकुर ने ऐसे किया वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के घोषणापत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध को लेकर उठे विवाद के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने सत्ता में आने के बाद राज्य में भगवान हनुमान मंदिर के निर्माण का वादा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पार्टी सत्ता में आती है तो कर्नाटक में मौजूदा हनुमान मंदिरों का विकास किया जाएगा। इसको लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति कांग्रेस को इतना डूबाती है और इतना गिराती है कि फिर संभले नहीं संभल पाती है। उन्होंने कहा कि कभी बाटला हाउस कांड के आतंकवादियों के घर जाकर सोनिया गांधी फूट-फूट कर रोती हैं। कभी मोदी जी को मौत का सौदागर कहती हैं।

भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि कभी बजरंग बली के खिलाफ ही कांग्रेस पार्टी खड़ी हो जाती है। जब इन्होंने हिंदू आतंकवाद कहा कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी है। बीजेपी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में पीएफआई और बजरंग दल की बराबरी करने पर कांग्रेस पार्टी की आलोचना की है। कर्नाटक में अपने चुनावी संबोधन के दौरान भी पीएम नरेंद्र मोदी ने 'जय बजरंगबली' के नारों के साथ अपने भाषण का अंत

किया। इस बीच, बजरंग दल और अन्य दक्षिणपंथी संगठन विरोध कर रहे हैं और कांग्रेस पार्टी से हिंदू समुदाय से माफी मांगने की मांग कर रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा ने भले ही बजरंग दल से जुड़े मुद्दे को लेकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी हो, लेकिन कांग्रेस का मानना है कि उसकी ओर से दी गई पांच गारंटी ही उसकी जीत का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस को भले ही अब यह एहसास हो गया है कि बजरंग दल को बदनाम करके उसने पाप किया है लेकिन इसके लिए कर्नाटक की जनता उसे (कांग्रेस को) माफ नहीं करेगी। विहिप ने कहा कि 10 मई को होने वाले चुनाव में राज्य के लोग कांग्रेस से इस पाप का हिसाब लेंगे। परिषद ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से हिन्दू समाज से माफी मांगने और तत्काल पार्टी के घोषणापत्र में बदलाव करने को कहा। विहिप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एक दिन पहले ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली ने कहा था कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का पार्टी के समक्ष कोई सुझाव नहीं है।

कर्नाटक में 'ट्रबल इंजन' भाजपा को मिलेंगी 40 सीटें: राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कर्नाटक की सत्तारूढ़ पार्टी को 40 की संख्या से बहुत लगाव है, इसलिए इस विधानसभा चुनाव में जनता उसे सिर्फ 40 सीटें ही देगी। राहुल गांधी ने कर्नाटक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से दिए गए उस विज्ञापन का हवाला दिया जिसमें भाजपा सरकार में नौकरियों और तबादलों में घूस लेने का आरोप लगाते हुए एक 'रेट कार्ड' जारी किया गया है। उन्होंने ट्वीट किया, ''भाजपा की 40 प्रतिशत कमीशन सरकार का 'रेट कार्ड'। 'ट्रबल इंजन' भाजपा

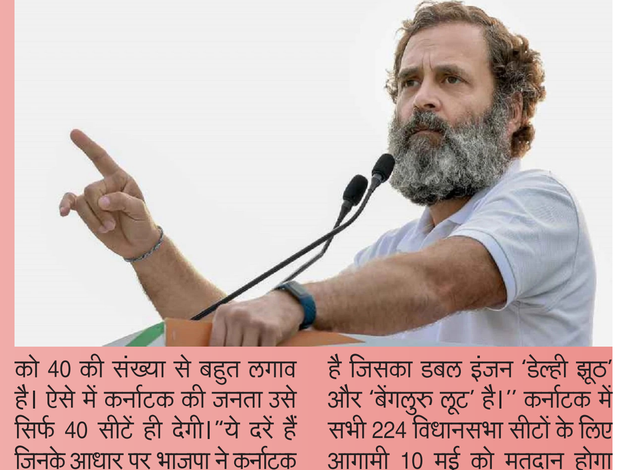

को 40 की संख्या से बहुत लगाव है। ऐसे में कर्नाटक की जनता उसे सिर्फ 40 सीटें ही देगी।''ये दरें हैं जिनके आधार पर भाजपा ने कर्नाटक में शासन को बेच दिया। यह भाजपा है जिसका डबल इंजन 'डेल्ही झूठ' और 'बेंगलुरु लूट' है।'' कर्नाटक में सभी 224 विधानसभा सीटों के लिए आगामी 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को मतगणना होगी।

मारपीट के दौरान मौत के मामले में दोषी को पांच साल कैद

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने मारपीट के दौरान एक व्यक्ति की मौत के मामले में, 42 वर्षीय एक आरोपी को गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराते हुए पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। सत्र न्यायाधीश अभय जे मंत्री ने 28 अप्रैल के अपने आदेश में कोपरखैरने के रहने वाले आरोपी सुरेश सोमला चव्हाण को 'गैर इरादतन हत्या' का दोषी ठहराया और उस पर 2,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। आदेश की प्रति शुक्रवार को उपलब्ध करवाई गयी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पीड़ित वीरेंद्र उर्फ राजू होदीदास ब्रम्हभट्ट के एक विधवा के साथ संबंध थे जो चव्हाण की करीबी रिश्तेदार थी। 14 नवंबर, 2018 की रात, शराब पीने के दौरान चव्हाण और ब्रम्हभट्ट के बीच झगड़ा हुआ था, जिसके बाद ब्रम्हभट्ट की मौत हो गई। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि अदालत के सामने पेश किए गए सबूत से यह स्पष्ट नहीं होता है कि चव्हाण का ब्रम्हभट्ट को मारने का कोई इरादा था। अदालत ने कहा, रिकॉर्ड में मौजूद साक्ष्यों से पता चलता है कि आरोपी ने गुस्से में ब्रम्हभट्ट की छाती पर लात और घूंसे मारे जिससे उसकी मौत हो गई।'' अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष, आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के तहत लगाए गए आरोप को साबित करने में विफल रहा है जिसके बाद, चव्हाण को गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराते हुए पांच साल जेल की सजा सुनाई गई।

कांग्रेस ने भाजपा को सभी भाषाओं के विकास की पक्षधर बताने के लिए शाह पर निशाना साधा

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान के लिए उन पर निशाना साधा जिसमें उन्होंने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सभी भाषाओं के विकास की पक्षधर है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए 640 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि कन्नड़ के प्रचार-प्रसार पर मात्र तीन करोड़ रुपये खर्च किए गए। अमित शाह ने अंग्रेजी दैनिक द हिंदू को दिए

साक्षात्कार में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सभी भाषाओं के विकास की पक्षधर है और यह आरोप राजनीति से प्रेरित है कि उनकी पार्टी क्षेत्रीय भाषाओं की कीमत पर हिंदी का प्रचार-प्रसार करती है।

उनके इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रमेश ने ट्वीट किया, गृह मंत्री ने एक साक्षात्कार में दावा किया है कि भाजपा सभी भाषाओं के विकास की पक्षधर है. क्या यही वजह है कि मोदी सरकार ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार पर 640 करोड़ रुपये खर्च किए और कन्नड़ के प्रचार-प्रसार पर सिर्फ तीन करोड़ रुपये की राशि खर्च की? उन्होंने यह सवाल भी किया, क्या यही कारण है कि उस व्यक्ति को कर्नाटक की 40 प्रतिशत कमीशन सरकार ने पाठ्यपुस्तक संशोधन समिति का प्रमुख बना दिया जिसने महान कवि कुवेम्पु का अपमान किया था? क्या यही वजह है कि वन संरक्षण संशोधन विधेयक, 2022 के साथ यह परंपरा शुरु कर दी गई कि कानूनों के अंग्रेजी नाम हटा दिए जाएं और इनकी जगह हिंदी नाम रख दिए जाएं? कांग्रेस महासचिव ने कहा, गृह मंत्री जी, मैं ऐसी बहुत सारी बातें और रख सकता हूं। आप एक ऐसे व्यक्ति के साथ काम करते हैं जिनका लक्ष्य असत्यमेव जयते रहा है।

घूम हैं किसी के प्यार में शो को छोड़ रही हैं ऐश्वर्या शर्मा, इसी के सेट पर पति से हुई थी मुलाकात

मुम्बई। स्टार प्लस के मशहूर सीरियल 'गुम है किसी के प्यार में' के चाहनेवालों के लिए एक बड़ी ही बुरी खबर सामने आई है। दरअसल, अभिनेत्री ऐश्वर्या शर्मा इस शो को छोड़ रही हैं। अभिनेत्री सीरियल में पाखी की भूमिका निभा रही थी। ढाई साल तक पाखी का किरदार निभाने के बाद ऐश्वर्या ने इसे हमेशा के अलविदा कहने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री ने अपने आखिरी एपिसोड की शूटिंग पूरी कर ली है और इसी के साथ उन्होंने शो को अलविदा कह दिया है। ऐश्वर्या के शो छोड़ने की खबर से उनके चाहनेवाले काफी निराश हो गए हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा का माहौल गर्म होते ही अभिनेत्री ऐश्वर्या शर्मा ने खुद आगे आकर छोड़ने की पुष्टि कर दी है। अभिनेत्री ने ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में शो छोड़ने की वजह का खुलासा किया। ऐश्वर्या ने कहा, 'सभी अच्छी चीजों की तरह, शो के साथ मेरा जुड़ाव भी समाप्त हो गया है। जहां पाखी का सफर खत्म हो गया है, वहीं ऐश्वर्या अपने साथ यादों से भरा बैग लेकर जा रही हैं क्योंकि इस शो ने मुझे लगभग सब कुछ दिया है। मैं 'गुम है किसी के प्यार में' का कर्ज महसूस करती हूँ, क्योंकि इसने मुझे मेरी अपेक्षा से अधिक दिया है। लेकिन अब मुझे लगता है कि यह नए अवसरों का पता लगाने का समय है।' ऐश्वर्या शर्मा शो के मुख्य किरदार विराट, जो अभिनेता नील भट्ट द्वारा निभाया जा रहा है, की पत्नी पाखी का किरदार निभा रही थीं। विराट की पत्नी का किरदार निभाते-निभाते अभिनेत्री सच में अभिनेता नील भट्ट पर अपना दिल हार बैठी। इसी सीरियल के सेट पर दोनों की मुलाकात हुई। दोनों को प्यार हुआ और फिर 30 नवंबर 2021 को उज्जैन में दोनों ने शादी रचाई।

आलिया भट्ट ने रेड कार्पेट पर बिखेरा जलवा पहनी मोतियों से बनी ड्रेस, लुक देख घायल फैंस

मुम्बई। आलिया ने इस साल की थीम 'कार्ल लेगरफेल्डः ए लाइन ऑफ ब्यूटी' के साथ तालमेल बिठा रखा है। रेड कार्पेट पर आलिया के लिए प्रिंसेस मोमेंट था क्योंकि उन्होंने मुस्कराती मुस्कान के साथ फोटोग्राफर्स का हाथ हिलाया। उन्होंने डिजाइनर प्रबल गुरुंग के साथ पोज भी दिया।

मेट गाला का आगाज हो गया है। इस बार फिर से दुनियाभर के सितारे गाला के रेड कार्पेट पर खूबसूरत पोशाक में उतरे। भारत के भी कई सितारे मेट गाला में शिरकत कर रहे हैं। इस बार भारत की तरफ से खास एंट्री अलिया भट्ट की है। आलिया भट्ट ने गाला के 2023 संस्करण में अपना मेट गाला डेब्यू किया। वह मोतियों से सजी एक स्वप्निल सफेद पोशाक में रेड कार्पेट पर चलीं। आलिया ने इस साल की थीम 'कार्ल लेगरफेल्डः ए लाइन ऑफ ब्यूटी' के साथ तालमेल बिठा रखा है। रेड कार्पेट पर आलिया के लिए प्रिंसेस मोमेंट था क्योंकि उन्होंने मुस्कराती मुस्कान के साथ फोटोग्राफर्स का हाथ हिलाया। उन्होंने डिजाइनर प्रबल गुरुंग के साथ पोज भी दिया।

आलिया ने सोशल मीडिया पर अपने मेट गाला डेब्यू से तस्वीरें साझा कीं और उनके कैप्शन का एक हिस्सा पढ़ा, 'एक लड़की के पास कभी भी बहुत सारे मोती नहीं हो सकते ष्ठ

आलिया को मुंबई एयरपोर्ट से न्यूयॉर्क के लिए रवाना होते देखा गया। जैसे ही उसने पापराज़ी को देखा, आलिया ने अपनी बड़ी मुस्कान बिखेरी, साल की सबसे बड़ी फैशन नाइट्स का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित दिख रही थी। गंगूबाई काठियावाड़ी और डार्लिंग्स जैसी फिल्मों के साथ आलिया भट्ट के लिए 2022 उल्लेखनीय रहा। व्यक्तिगत मोर्चे पर, उन्होंने अभिनेता रणबीर कपूर से शादी की और उन्होंने नवंबर में अपनी बेटी राहा का स्वागत किया।

अभिनेता जल्द ही गैल गैडोट और जेमी डोर्नन के साथ नेटफ्लिक्स के हार्ट ऑफ स्टोन के साथ अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी करेंगे।

ऐसा अभिनेता जिनकी आंखें भी करती थीं अभिनय बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड में जमाई थी अपनी धाक

मुम्बई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता इरफान खान आज ही के दिन यानी की 29 अप्रैल को इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह गए थे। एक्टर के निधन से न सिर्प उनके फैंस बल्कि बॉलीवुड को भी बड़ा झटका लगा था। लंबी बीमारी से जूझ रहे इरफान खान ने 29

अप्रैल 2020 को 53 साल की उम्र में मुंबई के अस्पताल में इलाज के दौरान आखिरी सांस ली थी। इरफान खान के फैंस न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी हैं। आज भी लोग इरफान को उनकी एक्टिंग के लिए याद करते हैं। इरफान ने उम्दा और बेहतरीन एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई थी। आइए जानते हैं इरफान के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातें...

जन्म और शिक्षाः भारत के राजस्थान राज्य में साल 1967 में इरफान का जन्म एक पठानी मुस्लिम परिवार में हुआ था। राजस्थान से ही उन्होंने अपनी शुरूआती शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद जब इरफान पोस्ट ग्रेजुएशन कर रहे थे। तभी उन्होंने नेशनल स्?कूल ऑफ ड्रामा में दाखिला ले लिया था। इस ड्रामा स्कूल में पढ़ाई के लिए उनकी स्कॉलरशिप का आवेदन को स्वीकार कर लिया था। जिसके बाद इरफान ने दिल्ली में स्थिति एक्टिंग के इस कॉलेजी में दाखिला ले लिया था। हालांकि इरफान क्रिकेटर बनना चाहते थे। लेकिन उनकी किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

छोटे पर्दे पर एक्टिंगः इरफान खान अपनी एक्टिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह मुंबई चले गए। यहां पर इरफान ने फिल्मों के लिए ऑडिशन देना शुरू कर दिया। हालांकि इरफान के शुरूआती दिन काफी संघर्ष भरे खे। इरफान को फिल्मों के बजाय टीवी सीरियल में छोटे-मोटे रोल मिलने लगे थे। इरफान ने अपने करियर की शुरूआत बतौर जूनियर एक्टर की थी। वह कई हिंदी सीरियल का हिस्सा रह चुके हैं।

फिल्मी करियरः साल 1988 में 'सलाम बॉम्बे' फिल्म में इरफान को एक छोटा सा रोल मिला था। लेकिन बाद में इरफान के इस रोल को फिल्म से हटा दिया गया। साल 2001 में 'द वारियर' फिल्म से इरफान की जिंदगी बदल गई। इस फिल्म के बाद से इरफान को कभी पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ा। साल 2004 में 'हासिल' फिल्म में इरफान को एक नेगेटिव किरदार में देखा गया था। इस किरदार के लिए इरफान को खूब तारीफ मिली थी।

'रोग' फिल्मः इरफान खान को बतौर लीड रोल अपनी पहली फिल्म साल 2005 में मिली थी। इस फिल्म का नाम रोग था। जिसमें इरफान ने एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में थे। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। लेकिन इस फिल्म में इरफान की एक्टिंग ने सभी का दिल जीत लिया था। इसी फिल्म से इराफान की खूबसूरत आखों को नोटिस किया गया। कहा जाता था कि इरफान की आंखें दमदार अभियन करती हैं। इसके बाद साल 2007 में इरफान ने लाइफ इन ए मेट्रो की। फिर एसिड फैक्ट्री, न्यूयॉर्क, पान सिंह तोमर, हैदर, पीकू, तलवार, जज्बा, हिंदी मीडियम समेत कई फिल्मों में अभिनय करते हुए देखा गया। इन फिल्मों के लिए इरफान को कई अवॉर्ड भी मिले। बता दें कि इरफान ने न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड में भी काम किया था।

अवॉर्डः साल 2011 में इरफान खान को भारत सरकार द्वारा पद्म श्री अवार्ड दिया जा चुका है।

साल 2003 में फिल्म 'हासिल' के लिए अभिनेता को इनका पहला फिल्मफेयर खिताब नेगेटिव किरदार के लिए दिया गया।

साल 2007 में 'लाइफ इन मेट्रो' फिल्म के लिए फिल्मफेयर अवार्ड से नवाजा गया।

वहीं साल 2008 में घ्र्ईं पुरस्कार भी दिया गया था।

साल 2012 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए इरफान को पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला।

फिल्म पान सिंह तोमर के लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवार्ड भी मिल चुका है।

इरफ्रान को स्लमडॉग मिलियनेयर के लिए सेंट्रल ओहियो फिल्म क्रिटिक्स एसोसिएशन की तरफ से सर्वश्रेष्ठ एन्सेबल अवार्ड दिया गया था।

मौतः इरफान खान ने 53 साल की उम्र में करीब 70 फिल्मों में काम किया था। जिसमें बॉलीवुड और हॉलीवुड की फिल्में शामिल हैं। इरफान खान न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर से पीड़ित थे और उन्होंने इस बीमारी से एक लंबी लड़ाई लड़ी। लेकिन वह जिंदगी की जंग हार गए। मजह 53 साल की उम्र में 29 अप्रैल 2020 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

वह निर्देशक जिसके पास खुद चलकर आया था ऑस्कर

मुम्बई। भारतीय फिल्म निर्देशक, लेखक, प्रकाशक, चित्रकार, सुलेखक, संगीत कंपोजर, ग्राफ़िक डिज़ाइनर के तौर पर सत्यजीत रे ने अपनी पहचान

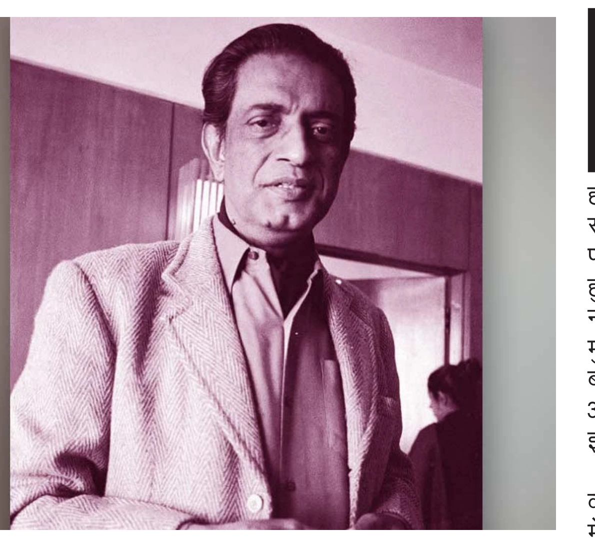

बनाई थी। सत्यजीत को 20वीं शताब्दी के सर्वोत्तम फिल्म निर्देशकों में गिना जाता है। सत्यजीत रे ऐसे भारतीय फिल्मकार हैं, जिन्होंने पश्चिम के भी फिल्म निर्देशकों को प्रभावित किया है। सत्यजीत ने पिक्चर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री व लघु फिल्मों समेत 36 फिल्मों का निर्देशन किया था। 36 में से 32 फिल्मों ने राष्ट्रीय पुरुस्कार जीते थे। इसके अलावा सत्यजीत को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के 6 पुरुस्कार मिले थे। बता दें कि आज ही के दिन यानी की 2 मई को सत्यजीत रे का जन्म हुआ था।

जन्म और शिक्षाः 2 मई, 1921 को कोलकाता में सत्यजीत रे का जन्म हुआ था। उनका पूरा नाम सुकुमार राय था। इसके अलावा इनको शॉत्तोजित रॉय के नाम से जाना जाता था। सत्यजीत के पिता का सुकुमार राय था और उनकी मां का नाम सुप्रभा राय था। जब वह 2 साल के थे, तो उनके पिता का निधन हो गया था। इसलिए इनकी मां ने उनका पालन-पोषण अपने भाई के घर पर किया था। सुप्रभा राय एक मंझी हुई गायक थीं। कलकत्ता के बल्लीगुंग गवर्नमेंट हाई स्कूल से शुरूआती शिक्षा प्राप्त करने के बाद प्रेसीडेंसी कॉलेज, कलकत्ता से इकनोमिक में बी.ए किया।

सत्यजीत को कला के क्षेत्र में काफी रुचि थी। लेकिन उनकी मां चाहती थीं कि वह रविन्द्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित विश्व भारती यूनिवर्सिटी अपनी पढ़ाई करें। हालांकि सत्यजीत कभी कलकत्ता छोड़कर नहीं जाना चाहते थे।

कभी पत्नी के गहने बेचकर बनाई थी पहली फिल्म

हालांकि मां का मन रखने के लिए सत्यजीत शान्तिनिकेतन गए। जहां पर उनकी कला की काफी प्रशंसा हुई। यहां पर उन्होंने प्रसिद्ध पेंटर नंदलाल बोस और बेनोड़े बहरी मुखर्जी से काफी कुछ सीखा। इसके बाद सत्यजीत रे ने मुखर्जी पर आधारित एक डाक्यूमेंट्री फिल्म 'द इनर ऑय' बनाई।

करियर की शुरूआतः कोलकाता वापस आकर साल 1943 में सत्यजीर रे ने बतौर ग्राफिक्स डिजाइनर अपने करियर की शुरुआत की। बता दें कि उन्होंने जिम कॉर्बेट की 'मैन ईटर्स ऑफ कुमाऊं' और जवाहर लाल नेहरू की 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' जैसी कई फेमस किताबों के कवर को डिजाइन करने का काम किया। सत्यजीत को यहां पर डिजाइन में क्रिएटिविटी करने की पूरी छूट थी। हालांकि उस समय किसी को क्या पता था कि यह डिजाइनर एक दिन बतौर फिल्मकार पूरी दुनिया में भारत का परचम लहराएगा।

बेच दिए थे पत्नी के गहनेः सत्यजीत रे ने एक नौसिखिया टीम लेकर साल 1952 में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी। लेकिन नए फिल्मकार पर कोई भी दांव लगाने को तैयार नहीं था। इसलिए सत्यजीत के पास जितने भी पैसे थे, उन्होंने सब इस फिल्म में लगा डाले। फिल्म को लेकर उनके सिर पर इस कदर जुनून सवार था कि इसके लिए उन्होंने पत्नी के गहने तक बेच दिए थे। हालांकि पैसे खत्म होने के बाद शूटिंग को रोकना पड़ा। सत्यजीत ने जिन लोगों से मदद लेने का प्रयास किया, वह फिल्म में अपने हिसाब से कुछ बदलाव चाहते थे। यह बात सत्यजीत को कतई मंजूर नहीं थी। अंत में पश्चिम बंगाल सरकार ने सत्यजीत रे की मदद की। वहीं साल 1955 में उनकी पहली फिल्म 'पाथेर पांचाली' पर्दे पर आई।

खुद चलकर आया था ऑस्करः ऑस्कर सिने जगत का सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड है। सत्यजीत के काम को देखते हुए ऑस्कर उनके पास खुद चलकर आया था। बता दें कि साल 1992 में जब सत्यजीत रे को ऑस्कर देने का ऐलान किया गया तो उस दौरान वह बहुत बीमार चल रहे थे। जिसकी वजह से सत्यजीत अवॉर्ड लेने खुद नहीं जा सकते थे। इसलिए पदाधिकारियों ने फैसला किया कि ऑस्कर को सत्यजीत रे के पास पहुंचाया जाएगा। जिसके बाद ऑस्कर के पदाधिकारियों की टीम सत्यजीत रे के घर कोलकाता पहुंची और वहां पर उन्हें इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

सत्यजीत रे की फिल्मेंः अभिजान, महानगर, चारुलता, टूः ए फिल्म फेबल, नायक, आगुंतक, शतरंज के खिलाड़ी आदि उनकी बेहतरीन फिल्में हैं। सत्यजीत रे को साल 1958 में 'पद्मश्री, साल 1965 में 'पद्मभूषण' और साल 1976 में 'पद्म विभूषण' सम्मानित किया गया था। वहीं साल 1992 में उन्हें भारत रत्न से भी नवाजा गया था।

प्रियंका चोपड़ा के हीरों से जड़े हार ने खींच लिया पूरी महफिल का ध्यान

मुम्बई। हॉलीवुड और बॉलीवुड की फेवरेट जोड़ी प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास मेट गाला 2023 में पहुंचे। सितारों से सजे मेट गाला में प्रियंका चोपड़ा ब्लैक एंड व्हाइट

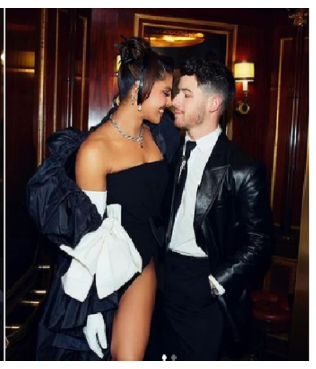

में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, लेकिन इस आउटफिट के साथ उन्होंने जो महंगा नेकलेस पहना था, वह अपने आप में एक स्टार था। अभिनेता आभूषण ब्रांड बुलगारी का ब्रांड एंबेसडर है और उन्होंने उसी ब्रांड का एक हार पहना था। हार में एक नीला लगुना हीरा था जिसकी कीमत कम से कम ?25 मिलियन है, यानी ?204.5 करोड़। फैशन के सबसे बड़े नाइट आउट में पति-पत्नी की यह तीसरी डेट है, जहां सबसे पहले उनकी प्रेम कहानी शुरू हुई। कार्ल लेगेरफेल्ड की पसंदीदा रंग थीम से चिपके हुए वैलेंटिनो द्वारा भव्य ब्लैक-एंड-व्हाइट पहनावे में प्रियंका और निक स्टार-स्टडेड इवेंट में शामिल हो गए। मेल गाला शाम की थीम कार्ल लेगरफेल्डः ए लाइन ऑफ ब्यूटी है। यह दिवंगत डिजाइनर की अविस्मरणीय विरासत का जश्न मनाती है। निक जोनास और प्रियंका चोपड़ा दोनों ने वैलेंटिनो पहना था।ँर्ल्डु वैात्ते से प्रियंका चोपड़ा ने अपने लुक को और खूबसूरत बनाया। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास का पहनावा थीम - 'कार्ल लेगरफेल्डः ए लाइन ऑफ ब्यूटी' को ध्यान में रखते हुए था। प्रतिष्ठित डिजाइनर कार्ल लेगरफेल्ड को उनकी श्रद्धांजलि के रूप में, जिनकी 2019 में मृत्यु हो गई, प्रियंका और निक काले और सफेद - डिजाइनर के पसंदीदा रंगों में दिखाई दिए। मंगलवार (घ्ट्यऊ) को प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास मेट गाला 2023 में पहुंचे। लवबर्ड्स ने भव्य वैलेंटिनो पहनावे में स्टाइल और ग्लैमर परोसा और एक ब्लैक-एंड-व्हाइट कलर पैलेट चुनकर थीम से चिपके रहे। युगल की कई तस्वीरें और वीडियो प्रशंसक साइटों द्वारा साझा किए गए थे । प्रियंका ने वैलेंटिनो गाउन पहना था, जिसमें थाई-हाई स्लिट था, वहीं निक एक ओवरसाइज़ सूट में डैपर लग रहे थे।

मेष-ःतली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च़ न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।	वृष-ःजीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।	मिथुन-ःक्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।	कर्क-ःआज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।
सिंह-ःआपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।	कन्या-ःप्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।	तुला-ः जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नज़रंदाज़ करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।	वृश्चिक-ःछात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।
धनु-ःइससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।	मकर-ःलंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।	कुंभ-ःभावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।	मीन-ःआज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

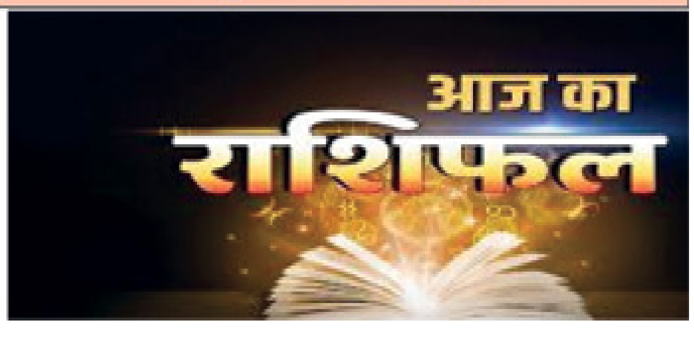

शाहरुख खान के सर चढ़ा पठान की सफलता का घमंड!

मुम्बई। शाहरुख खान हाल ही में राजकुमार हिरानी की डंकी की शूटिंग में व्यस्त थे।अभिनेता, तापसी पन्नू और कलाकारों के साथ फिल्म का शेड्यूल पूरा करने के लिए कश्मीर रवाना हो गए थे। वह अब अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर मुंबई वापस आ गए हैं। शाहरुख को 3 मई को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। ऑनलाइन शेयर किए गए एक वीडियो में, सुपरस्टार ने एक फैन का फोन फ्लिक कर दिया, ये तब हुआ जह फैन शाहरुख खान के साथ सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था। वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर आया इसे नेटिज़न्स से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। डंकी के लिए शाहरुख खान ने पहली बार राजकुमार हिरानी और तापसी पन्नू के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म की शूटिंग कश्मीर में जोरों से चल रही थी। शाहरुख 27 अप्रैल को अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए जम्मू-कश्मीर में पुलवामा जिले की अवंतीपोरा तहसील के पंजगाम गांव पहुंचे। अपने तीन दशक के फिल्मी करियर में यह पहली बार है जब उन्होंने कश्मीर घाटी में शूटिंग की है। वह मुंबई वापस आये पपराज़ी द्वारा हवाई अड्डे पर उन्हें देखा गया। कई फैन्स ने तो उन्हें तस्वीरों के लिए घेर भी लिया। जैसे ही शाहरुख एयरपोर्ट के एग्जिट गेट से बाहर निकल रहे थे, उन्होंने गलती से एक फैन का फोन फ्लिक कर दिया, जो उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था। उनके बॉडीगार्ड ने फैन को पीछे धक्का भी दिया। वीडियो में, हम प्रशंसकों को शाहरुख खान का नाम चिल्लाते हुए सुन सकते हैं क्योंकि वह अपनी कार की ओर चलते हैं। अभिनेता पूरी तरह से काले रंग की पोशाक में दिखे और अपने प्रशंसकों को हाय भी कहा। हालांकि, फैंस इससे बहुत खुश नहीं थे। एक नेटिजन ने कमेंट किया, 'फैन एक एयरपोर्ट स्टाफ है, उसने उसे छुआ भी नहीं है और शाहरुख ने उसे इतनी बुरी तरह से बेइज्जत किया। यह सेलेब्स के असली चेहरे को दिखाता है, सभी एटीट्यूड और नकली लोगों से भरा हुआ है।' एक अन्य ने लिखा, 'मत भूलना शाहरुख हम प्रशंसकों की वजह से आज तुम यहां तक हो वरना हाहाहाहा।' शाहरुख खान की आखिरी रिलीज पठान ब्लॉकबस्टर रही थी। जून की चिलचिलाती गर्मी में, अभिनेता एटली कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म, जवान में फिर से दिखाई देंगे। फिल्म में साउथ की बहुचर्चित अभिनेत्री नयनतारा भी हैं।

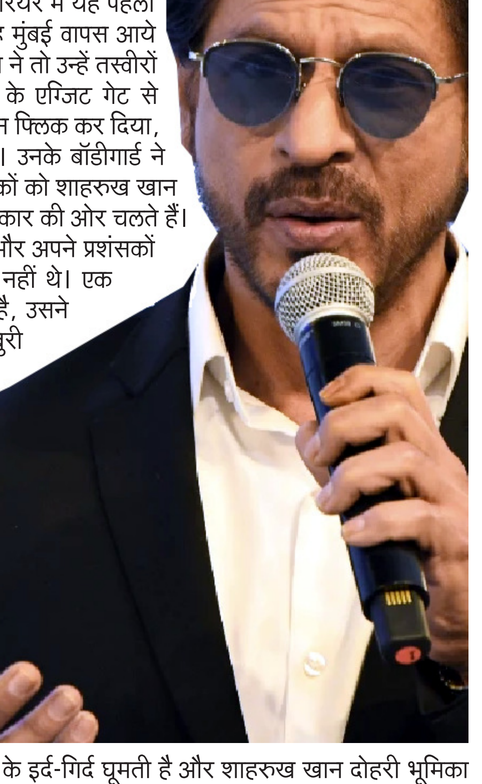

कथित तौर पर, फिल्म की साजिश एक ट्रेन अपहरण के इर्द-गिर्द घूमती है और शाहरुख खान दोहरी भूमिका में नजर आएंगे। यह एक अखिल भारतीय फिल्म होगी जो 2 जून, 2023 को रिलीज होने के लिए तैयार है। शाहरुख खान के पास राजकुमारी हिरानी की डंकी भी है, जो 2023 के क्रिसमस वीकेंड के दौरान बड़े पर्दे पर हिट होने के लिए तैयार है। फिल्म के हल्के-फुल्के कॉमेडी-ड्रामा होने की उम्मीद है, जो हिरानी के लिए विशिष्ट है।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।